हरिभूमि
रायपुर भूमि

- पटरी पार से सिर पर गगरी, हाथों में गुंडी लेकर पानी की लगा रहे जुगत
- चिलचिलाती धूप में छोटे बच्चे साइकिल में ढो रहे पानी, नलों में प्रेशर बहुत कम

बूंद-बूंद पानी के लिए पटरी पार का सफर जीवन के लिए बड़ा जोखिम उठा रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर।

नगर निगम जोन 1 के वीरांगना अवंतिबाई वार्ड स्थित बाल्मिकी नगर में रहने वाले सैकड़ों परिवार पेयजल की किल्लत से बेहद परेशान हैं। नगर निगम द्वारा लोगों के घरों लगाए गए नलों से पानी का प्रेशर बहुत कम आने से उन्हें घर से निकलकर रेल्वे पटरी पार करते हुए त्रिमूति नगर से पानी लाना पड़ रहा है। चिलचिलाती धूप में महिलाएं, बच्चे रोज जान जोखिम डालकर अपने परिवार की प्यास बुझाने एक छोर से दूसरे छोर जा रही हैं। पाइपलाइन नेटवर्क में लीकेज और अंतिम छोर में बस्ती होने से उन्हें पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। कई बार तो ऐसा होता है दोनों हाथ में प्लास्टिक की बाल्टी में पानी भरकर रेल्वे पटरी के उबड़ खाबड़ रास्ते से जाने में काफी अड़चन आती है, लेकिन पानी की समस्या ▶▶|शेष पेज 13 पर

हरिभूमि सरोकार

पटरी किनारे पानी के बरतन, साइकिल में बच्चे ढो रहे पानी

डब्लूआरएस कालोनी से लगे रेल्वे पटरी से लगी बस्तियों शामिल प्रेमनगर, इंदिरा नगर, नेपाली बस्ती, शिव नगर, झारखंड बस्ती, घासपारा, वाल्मिकी नगर, दुर्गानगर बस्ती में पानी के लिए रोज किचकिच मचती है। ज्यादातर लोग रोजी मजूरी वाले हैं जिन्हें सुबह काम में जाना पड़ता है, पर पानी टैंकर निर्धारित समय पर नहीं आने से उन्हें काम छोड़कर पानी भरने के लिए रूकना पड़ता है। वाल्मिकी नगर के रहवासी को चूंकि पटरी के उस पार त्रिमूर्ति नगर जाकर पानी भरना होता है, इसलिए कई लोग पटरी किनारे ही अपने कुछ बरतन रख देते हैं, ताकि पानी लाने के बाद एक साथ उसे घर लेकर जाया जा सके। इस बस्ती के छोटे-छोटे बच्चे अपनी साइकिल में पानी के बाल्टी, प्लास्टिक के जरकिन रखकर उसे एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाने मशक्कत करते देखे जा सकते हैं।

खबर संक्षेप

ट्रांजिट मेस में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों का सम्मेलन

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुये सोमवार को पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का गरिमायम सम्मेलन पुलिस ट्रांजिट मेस में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपने जीवन के लगभग 40 वर्ष विभाग एवं समाज की सेवा को समर्पित किए हैं। सेवानिवृत्ति के पश्चात भी उनका अनुभव एवं सामाजिक समझ समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है।

वनबल प्रमुख से सौजन्य भेंट करने पहुंचे कर्मचारी

रायपुर। राज्य के नए पीसीसीएफ एवं वनबल प्रमुख अरुण कुमार पाण्डेय से सौजन्य भेंट करने छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत दुबे के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिला के कर्मचारी नए वनबल प्रमुख से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। सौजन्य मुलाकात के दौरान कर्मचारियों ने वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और मैदानी कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर नए वनबल प्रमुख ने कर्मचारियों को पूरी निष्ठा से काम करने के लिए प्रेरित किया ।

ढाबा संचालकों की पुलिस ने ली बैठक, दी हिदायत

रायपुर। ग्रामीण एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन में सोमवार को हाईवे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से ढाबा संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी उमाशंकर बांधे, एएसपी ग्रामीण अभिषेक झा तथा माना सीएसपी लंबोदर पटेल उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी, महिला को सात साल कैद

रायपुर। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व गांजा बेचती गिरफ्तार महिला को विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस किरण थवाईत की कोर्ट ने सात साल कैद के साथ एक लाख रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवन लाल साहू के अनुसार कोर्ट ने कुकुर बेड़ा निवासी ज्योति देवार को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस ने ज्योति को कुकुर बेड़ा स्थित डूमर तालाब बायपास रोड के पास थैले में रख कर गांजा बेचते गिरफ्तार किया था।

एक माह में सौ युवतियों से संपर्क, रायपुर की युवती को झांसे में लिया था

मैट्रिमोनियल साइट से दोस्ती कर युवतियों को फंसाने वाला निकला एमबीए गोल्ड मेडलिस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मैट्रिमोनियल जीवनसाथी डॉट काम के जरिये कामकाजी महिलाओं, युवतियों से दोस्ती करने के बाद शादी करने का झांसा देकर बेहोशी की दवा खिलाकर लूटने वाले शातिर तथा उसके एक अन्य साथी को क्राइम ब्रांच तथा खम्हारडीह पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी मैट्रिमोनियल साइट में अपनी वार्षिक आय 70 लाख से एक करोड़ रुपए बताकर महिलाओं और युवतियों को फंसाता था। जालसाज पंजाब यूनिवर्सिटी का एमबीए गोल्ड मेडलिस्ट है। वह अपने आपको बड़ा सराफा कारोबारी बताता था।

अवंती विहार में रहने वाली युवती को चिकन में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर लाखों रुपए के जेवर तथा नगदी लेकर भागने के आरोप में पुलिस ने दिल्ली के रहने वाले अभिनव सिंह उर्फ पहलवान, हितिन नरूला को गिरफ्तार किया है। युवती से दोस्ती करने के बाद अभिनव ने अपने जन्मदिन का झांसा देते हुए युवती को उसके साथ मनाने की बात कही। जन्मदिन मनाने अभिनव दिल्ली से रायपुर आया। रायपुर पहुंचने के बाद अभिनव ने अपने साथी को रेलवे स्टेशन के पास ही छोड़ दिया और वह युवती से मिलने उसके घर पहुंचा।

आधा दर्जन महिलाओं, युवतियों के साथ कर चुका है ठगी

एक माह में सौ महिलाओं से संपर्क

अभिनव के मोबाइल की जांच करने पर पुलिस ने पाया कि जालसाज एक महीने में सौ से ज्यादा महिलाओं तथा युवतियों के संपर्क में था। ठगी का मास्टर माइंड मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है। वह वर्तमान में दिल्ली में रह रहा था। जालसाज ठगी के पैसों को अय्याशी में उड़ाता था। पुलिस ने जालसाजों के कब्जे से 57 हजार रुपए नकद, दो तोला सोने के जेवर, चांदी का ब्रेसलेट और पांच मोबाइल फोन समेत करीब 4.21 लाख रुपए का सामान जब्त किया है।

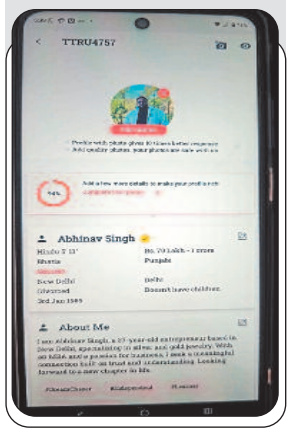

चार महीने पहले हुई थी पहचान

पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि खम्हारडीह निवासी युवती से जालसाज की पहचान चार माह पूर्व हुई थी। बातचीत में जालसाज ने युवती को सोने-चांदी का बड़ा कारोबारी होने का झांसा दिया था। साथ ही उसने अपना कारोबार दिल्ली से लेकर दुबई में होने का झांसा दिया था। 15 मई को जालसाज ने युवती को फोन कर जन्मदिन पार्टी मनाने के बहाने उसके घर आने की बात कही। दोपहर करीब एक बजे जालसाज युवती के घर पहुंचा। दोनों ने साथ में भोजन किया। इसी दौरान जालसाज ने चिकन ठीक से नहीं पकने की बात कहकर उसे दोबारा पकाया और नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाने के कुछ देर बाद युवती बेहोश हो गई। इसके बाद जालसाज युवती के जेवर नकदी लेकर रफूचक्कर हो गया। चिकन खाने के 20 घंटे बाद युवती को होश आया, तो उसने देखा घर की आलमारी खुली हुई है। आलमारी में रखे जेवर तथा गले की सोने की चेन तथा ऊंगलियों से सोने की अंगूठी गायब थी। इसके बाद युवती थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराने पहुंची।

फर्जी आधार-पैन बनाकर करता था संपर्क

पुलिस जांच में सामने आया है कि अभिनव सिंह फर्जी आधार और पैन कार्ड बनाकर अलग-अलग पहचान से महिलाओं तथा युवतियों से संपर्क करता था। प्रारंभिक पूछताछ में उसने देश के विभिन्न राज्यों में इस तरह की लगभग आधा दर्जन वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। अभिनव सिंह का आपराधिक रिकार्ड भी सामने आया है। वह दिल्ली के अशोक विहार और पार्लियामेंट हाउस थाना क्षेत्रों में धोखाधड़ी और चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। इसके अलावा उत्तराखंड के लक्ष्मण झूला क्षेत्र में वाहन चोरी के मामले में भी वह गिरफ्तार हो चुका है।

सुंदर युवती, महिलाओं की जगह इनको बनाता था शिकार

अभिनव सिंह ऐसी महिला तथा युवतियों को अपने झांसे में लेता था, जो कम सुंदर दिखती हो, लेकिन कामकाजी हो। जालसाज ज्यादातर महिलाओं तथा युवतियों के साथ अंग्रेजी में बात करता था। युवती तथा महिलाएं जालसाज के धारा प्रवाह अंग्रेजी बोलने से प्रभावित हो जाती थीं। महिलाओं तथा युवतियों को प्रभावित करने के बाद जालसाज जरूरत पड़ने पर उनके साथ एक दो मीटिंग भी करता था। इसके बाद अगर कोई महिला, युवती शराब पीने के शौकीन होती, तो उन्हें गले तक शराब पिलाने के बाद लूट का शिकार बनाता था। शराब नहीं पीने वाली महिलाओं तथा युवतियों को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर लूट का शिकार बनाता था। जालसाज अपने प्रोफाइल में खुद को तलाकशुदा बताता था।

बस से पांच गुना ज्यादा फ्लाइट का किराया

रास नहीं आ रही क्षेत्रीय उड़ान योजना

- रायपुर-जगदलपुर की 72 सीटर फ्लाइट को नहीं मिल रही पचास फीसदी यात्री भी

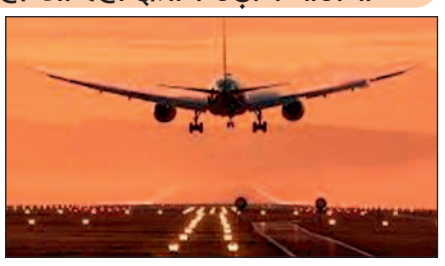

बस की तुलना में पांच गुना ज्यादा किराया होने की वजह से रायपुर-जगदलपुर के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट आम यात्रियों को रास नहीं आ रही है। 55 मिनट के सफर के लिए करीब 43 सौ रुपए खर्च होने की वजह से 72 सीटर फ्लाइट को दो महीना बीतने के बाद भी पचास प्रतिशत यात्री नहीं मिल पा रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ज्यादा किराया क्षेत्रीय उड़ान योजना का बड़ा मसला बन हुआ है और इसकी वजह से अंबिकापुर-बिलासपुर-रायपुर के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट सालभर में ही बंद हो चुकी है।

वर्तमान में क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत राज्य के भीतर केवल रायपुर और जगदलपुर के बीच ही विमान सेवा का संचालन हो रहा है। दोनों शहरों के बीच यात्रियों की समस्या फ्लाइट की शुरुआत के साथ चल रही है। जानकार सूत्रों ▶▶|शेष पेज 13 पर

अंबिकापुर, बिलासपुर में एक ही कंपनी

जानकारी के अनुसार अंबिकापुर और बिलासपुर विमानतल में पर्याप्त सुविधा नहीं होने की वजह से केवल अलायंस एयर विमानन कंपनी ही अपनी फ्लाइट का संचालन करती है। अंबिकापुर से अभी यह कंपनी दिल्ली के लिए फ्लाइट का संचालन करती है। इसी तरह बिलासपुर से अलायंस एयर दिल्ली, कोलकाता के लिए फ्लाइट का संचालन होता है। जगदलपुर से अलायंस एयर के अलावा इंडिगो भी अपनी एक फ्लाइट का संचालन करती है। यह की फ्लाइट हैदराबाद के अलावा दिल्ली तक जाती है।

रीवा का बेहतर रिस्पांस

रीजनल कनेक्टिविटी के तहत रायपुर से रीवा के बीच नियमित फ्लाइट का संचालन इस एयरलाइंस कंपनी द्वारा किया जा रहा है। इस फ्लाइट को शुरुआत से ही बेहतर रिस्पांस मिल रहा है। सातों दिन संचालित होने वाली इस फ्लाइट में पचास से साठ फीसदी यात्री अपना सफर पूरा कर रहे हैं। इस फ्लाइट का फेयर 2600 से 3700 के बीच दोनों ओर से आवाजाही के दौरान निर्धारित है। चूंकि यह फ्लाइट दो राज्यों को आपस में जोड़ती है इसलिए रोजाना फ्लाइट को पर्याप्त संख्या में यात्री मिल रहे हैं।

पश्चिमी विक्षोभ ने रोकी गर्म हवा

दो डिग्री लुढ़का तापमान भारी गर्मी से मिली राहत

रायपुर। पश्चिमी विक्षोभ ने प्रदेश में आने वाली उत्तर-पश्चिम की गर्म हवा को रोक दिया है। इसके प्रभाव से पिछले चौबीस घंटे में राजधानी समेत प्रदेश के कई शहरों के अधिकतम तापमान में दो डिग्री की कमी आई है। मौसम में बदलाव की वजह से रात की उमस भी गायब हो गई। अगले तीन दिन बड़ा बदलाव तो नहीं, पर अंधड़-बारिश की संभावना बनी हुई है। मई के अंतिम दिनों में चली तेज हवा और बारिश जैसी गतिविधि बनी रहने के कारण जून की शुरुआत गर्मी के साथ हुई है।

- रात की उमस भी गायब हुई, दोपहर बाद अंधड़-बारिश की संभावना बनी हुई

सोमवार को रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री लुढ़ककर 38.9 तक पहुंच गया। इसके पूर्व न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 1.3 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। तापमान कम होने की वजह दिन में धूप और गर्मी का प्रभाव कम रहा। दोपहर कुछ देर के लिए बादल छाए, मगर बारिश नहीं हुई। राज्य का सर्वाधिक तापमान राजनांदगांव का 42.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम ▶▶|शेष पेज 13 पर

बीए की परीक्षा में बांट दिया बीबीए का पर्चा!

पं.रविशंकर शुक्ल विवि का कारनामा, हिंदी माध्यम के छात्रों को भी मिला इंग्लिश में पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देशभर में परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ी के बीच पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने भी इसमें अपना योगदान दिया है। सोमवार को बीए द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा थी।

इसके अंतर्गत जेनेरिक इलेक्टिव विषय के पर्चे होने थे। कॉमर्स व बीबीए संकाय के अंतर्गत आने वाले बिजनेस इकोनॉमिक्स का चयन करने वाले छात्रों को मूल संकाय के छात्रों के लिए तैयार पर्चा ही बांट दिया गया, जबकि बीए के छात्रों के लिए पृथक पर्चा तैयार किया जाना था। गड़बड़ी यहीं नहीं रुकी। हिंदी माध्यम के छात्रों को भी इंग्लिश माध्यम में ही पर्चा थमा दिया गया। अर्थात रविवि हिंदी में प्रश्नपत्र छापना ही भूल गया। सबसे अधिक परेशान ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी ▶▶|शेष पेज 13 पर

सूचना नहीं

परीक्षा केंद्रों से इस तरह की दिक्कतों के संदर्भ में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। छात्रहित हमारी प्राथमिकता है। इसके आधार पर ही निर्णय लेंगे।

- प्रो.राजीव चौधरी
जनसंपर्क अधिकारी
रविवि

यह है नियम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थी अपने संकाय के इतर दूसरे संकाय से एक विषय का चुनाव कर सकते हैं। अपने संकाय से बाहर जाकर चुने गए विषय के अंक भी नतीजों में जुड़ते हैं। अंतिम परिणाम इसके आधार पर ही तय होते हैं। अपने संकाय से बाहर जाकर चुने गए विषय को जेनेरिक इलेक्टिव अर्थात जेई कहा जाता है। चूंकि छात्र केवल एक ही विषय दूसरे संकाय का पढ़ रहे होते हैं, ऐसे में उन्हें इस विषय की उतनी गहराई से समझ नहीं होती, जितनी उस संकाय के छात्रों को। इस कारण उच्च शिक्षा विभाग ने बीते दिनों विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए आदेश जारी कर कहा था कि वे जेनेरिक इलेक्टिव सब्जेक्ट के प्रश्नपत्रों की कठिनाई का स्तर अपेक्षाकृत कम रखें।

हजारों वृद्धों की फिंगर ट्रेस नहीं कर रही पॉस मशीन

20 लाख नहीं करा पाए ई-केवायसी, इनमें 3 लाख बुजुर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में वन नेशन वन योजना के तहत राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य का ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों को राशन दुकान से खाद्यान्न भी नहीं मिल रहा है। इसके बाद भी प्रदेशभर में 20 लाख सदस्य ऐसे हैं, जिनके ई-केवायसी अब तक नहीं हुए हैं।

इनमें साढ़े 9 लाख सदस्य बच्चे हैं, जिनकी उम्र 5 वर्ष से कम है, वहीं लगभग 3 लाख बुजुर्ग हैं, जिनमें कईयों के फिंगर ही काम नहीं कर रहे हैं। ई-पॉस मशीन के स्कैनर में फिंगर स्वीकार नहीं किए जाने के कारण उनका ई-केवायसी भी रुका हुआ है।

केवायसी नहीं कराने वालों में 4.55 लाख एपीएल सदस्य

केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों में 4 लाख 55 हजार एपीएल कार्ड धारक सदस्य हैं। विभागीय सूत्र के अनुसार इनमें भी लगभग एक लाख सदस्य ऐसे हैं, जो खाद्यान्न लेना ही छोड़ दिए हैं। इनकी संख्या भी रायपुर जिले में एक लाख से अधिक है।

2.73 करोड़ में 2.43 करोड़ का सत्यापन

प्रदेश में कुल राशन कार्डों की संख्या 82 लाख 75 हजार 909 है, वहीं सदस्यों की कुल संख्या 2 करोड़ 73 लाख 31 हजार 975 है। इन सदस्यों में अब तक कुल 2 करोड़ 43 लाख 70 हजार 379 सदस्यों का ईकेवायसी हो चुका है। सत्यापन के बाद इन सदस्यों को खाद्यान्न भी वितरित किया जा रहा है।

रायपुर में 2 लाख, दुर्ग-बिलासपुर में 1 लाख से अधिक सदस्य

प्रदेश में केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों की सबसे अधिक संख्या रायपुर जिले में है। यहां 2 लाख 7 हजार से अधिक सदस्यों ने केवायसी नहीं कराया हैं, जिनमें 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या 86 हजार से ज्यादा हैं, वहीं लगभग 10 से 12 हजार बुजुर्ग हैं। इसी प्रकार दुर्ग में 1 लाख 35 हजार एवं बिलासपुर में 1 लाख 23 हजार से ज्यादा सदस्यों का केवायसी नहीं हुआ है। दुर्ग में 5 वर्ष से बच्चों की संख्या 50 हजार एवं बिलासपुर में 70 हजार हैं, वहीं बुजुर्ग में इनकी संख्या क्रमशः 6 से 7 हजार तथा 4 से 5 हजार है।

खबर संक्षेप

अवैध शराब बेचतेप कड़ाया युवक

अभनपुर। पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि ग्राम कोलर निवासी दुश्यंत यदु (23 वर्ष) अभनपुर-सारखी मार्ग स्थित सदबुंदिया तालाब के पास अवैध रूप से शराब बिक्री के लिए रखे हुए है। सूचना पर पुलिस टीम ने गवाहों की उपस्थिति में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 15 अद्धी एवं 5 पौवा देशी मसाला शराब, कुल 6.525 बल्क लीटर शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 3,500 रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया।

कूंरा की रामलीला में आज सीता स्वयंवर का प्रसंग

कूंरा। कुंवरगढ़ के ग्राम वाशियो एवं क्षेत्र वाशियो के सहयोग से श्री रामायण रामलीला मंडली कांशी बनारस प्रयागराज मिर्जापुर के सुप्रसिद्ध 15 कलाकारों की टीम द्वारा नगरपंचायत कुंवरगढ़ कूंरा के बाजार चौंक रामलीला मंच पर 7 दिवसीय रामलीला का विशाल आयोजन 31 मई रविवार रात्रि 8 बजे श्रीराम जी की पूजा अर्चना एवं श्रीफल तोड़कर किया गया है । इस मौके पर पूर्व पार्षद हेमीन बाई साहू , दिनेश घनघोरिया सहित नगर के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे है । रामलीला मंडली के संचालक प.शिवसागर , अध्यक्ष रामकुमार चौरसिया ने बताया कि प्रथम दिवस 31 मई रविवार को दशरथ पुत्रयेष्ठी यज्ञ , श्री राम जन्म एवं सोमवार को मुनिआगमन व ताड़का , मारीच , सुबाहु वध का लीला कलाकारों द्वारा दिखाया गया ।वही तीसरे दिवस मंगलवार को श्री सीता स्वयंवर एवं रावण बाणपुर संवाद धनुष यज्ञ , बुधवार को परशुराम , लक्ष्मण संवाद , श्रीराम सीता विवाह एवं टीकावन , गुरुवार को खरदूषण वध , सीता हरण , शुक्रवार को लक्ष्मण शक्ति , राम विलाप एवं अंतिम दिवस 6 जून शनिवार को कुंभकरण वध , मेघनाथ वध , रावण वध एवं श्रीराम राजतिलक का रामलीला दिखाया जाएगा । इस रामलीला कार्यक्रम को देखने नगर के लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे है ।

नाबालिग से दुष्कर्म, जांच की मांग, एसपी को ज्ञापन

सिलयारी। धरसीवा थाना अंतर्गत सिलियारी चौकी क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ कथित दुष्कर्म के गंभीर मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे तथा रायपुर जिला पंचायत की सभापति एवं भाजपा जिला पंचायत सदस्य व सभापति श्रीमती सरोज चंद्रवंशी पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक श्वेता सिंह को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि घटना 18 अप्रैल की बताई जा रही है, लेकिन मामले में समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण पीड़ित परिवार को न्याय के लिए लगातार प्रयास करने पड़े। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता के मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने सिलियारी चौकी प्रभारी जितेंद्र दुबे की भूमिका की जांच कर उन्हें तत्काल निलंबित किए जाने की मांग भी उठाई। इस अवसर पर राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा कि किसी भी नाबालिग बालिका के साथ हुए अपराध के मामले में न्याय में देरी स्वीकार्य नहीं है।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों में संविदा भर्ती स्थगित

बलौदाबाजार। जिले में संचालित 16 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में रिक्त 57 पदों पर संविदा भर्ती को स्थगित कर दिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उक्त भर्ती प्रक्रिया को स्थगित किया गया है। उपरोक्त स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक पदों हेतु संविदा भर्ती केन्द्रीयकृत परीक्षा संचालनालय द्वारा आयोजित कराई जायेगी।

शराब और तंबाकू की लत से मुक्ति दिलाने में राजयोग कारगर

ब्रह्माकुमारीज़ ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा द्वारा नगर पालिका उद्यान, तिल्दा में नशा मुक्ति विषय पर आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश हरिरामानी एवं नगर पालिका तिल्दा के सीएमओ अमिताभ शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगरवासी, युवा एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, शराब तथा अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों को चित्रों, पोस्टरों और वैज्ञानिक तथ्यों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही नशे से छुटकारा पाने के आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक उपायों की जानकारी भी दी गई। आगंतुकों को बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, सामाजिक जीवन और आर्थिक स्थिति पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश हरिरामानी ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज को नशामुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं सीएमओ अमिताभ शर्मा ने कहा कि यदि स्कूलों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से इस तरह की जानकारी दी जाए तो युवाओं को नशे की लत से बचाने में काफी मदद मिल सकती है।

नशा मुक्ति का लिया संकल्प

उन्होंने बताया कि राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति के मन को सशक्त बनाकर तंबाकू, शराब और अन्य व्यसनों से मुक्ति दिलाने में प्रभावी भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों को नशा न करने और दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही अनेक लोगों ने राजयोग मेडिटेशन एवं ईश्वरीय ज्ञान की जानकारी प्राप्त कर स्वस्थ, सकारात्मक और नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।

सेहत बिगाड़ता है

ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा की मुख्य संचालिका बीके प्रियंका ने बताया कि तंबाकू एक धीमे जहर की तरह शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इसमें निकोटिन, एसीटोन, कैडमियम और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे घातक रसायन पाए जाते हैं, जो कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हजारों लोग तंबाकू जनित रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं और बड़ी संख्या में किशोर भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।

सुशासन तिहार के अंतिम शिविर में 973 आवेदन प्राप्त, हितग्राहियों को सामग्री एवं सहायता राशि वितरित

भूमिया शिविर में मंत्री टंकराम ने दो करोड़ के बिजली उपकेंद्र निर्माण की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा-नेवरा सुशासन तिहार के पांचवें एवं अंतिम शिविर का आयोजन सोमवार को ग्राम पंचायत तिल्दा विकास खंड के भूमिया में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं का समाधान गांव स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री वर्मा ने भूमिया क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही लो-वोल्टेज की समस्या को देखते हुए ग्रामीणों की मांग पर लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत सब स्टेशन निर्माण की घोषणा की, जिसका उपस्थित ग्रामीणों ने स्वागत किया।

शिविर में राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति श्रीमती स्वाति वर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शैल महेंद्र साहू, जनपद सदस्य देवेन्द्र वर्मा, श्रीमती उतरा निषाद, श्रीमती गीतांजली ध्रुव, श्रीमती सेवती बैतल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजस्व मंत्री टंकराम राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा जिला पंचायत सदस्य स्वाति वर्मा प्रधान मंत्री आवस की चाबी दी

अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि प्रमाण पत्र देते हुए

शिविर में 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 973 आवेदन प्रस्तुत किए। इनमें से 165 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि 808 आवेदन लंबित हैं, जिनका निराकरण आगामी एक माह के भीतर किए जाने का आश्वासन अधिकारियों ने दिया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 6 हितग्राहियों को आवास की चाबी एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 11 लखपति दीदियों को प्रमाण-पत्र, 7 महिलाओं को स्वीकृति पत्र तथा 4 महिला सदस्यों को चेक प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 8 आयुष्मान कार्ड एवं 3 हितग्राहियों को फूड बास्केट वितरित किए गए।

कृषि विभाग ने 10 किसानों को ढैंचा एवं मूंग बीज, मनरेगा के तहत 10 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, राजस्व विभाग ने 5 आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र तथा 10 स्वामित्व योजना अधिकार अभिलेख कार्ड वितरित किए। श्रम विभाग द्वारा 7 हितग्राहियों को श्रम कार्ड, नोनी सशक्तिकरण सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत 20 हजार रुपये का चेक एवं मिनी माता महतारी जतन योजना की सहायता राशि प्रदान की गई। खाद्य विभाग ने 6 हितग्राहियों को प्राथमिकता राशन कार्ड तथा समाज कल्याण विभाग ने 2 दिव्यांग हितग्राहियों को छड़ी वितरित की। कार्यक्रम में जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन, जनपद पंचायत तिल्दा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि कुमार, सरपंच मोहित कुमार यदु सहित 17 पंचायतों के सरपंच, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तोड़गांव कोटवार को बर्खास्त करने की मांग पर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

चंदखुरी। मंदिर हसौद तहसील अंतर्गत ग्राम तोड़गांव में कोटवार के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। गांव के सैकड़ों ग्रामीणों एवं किसानों ने एकजुट होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और कोटवार त्रिलोकी दास मानिकपुरी को पद से हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटवार किसानों के राजस्व संबंधी मामलों, जैसे बंटवारा, फौती, बंदोबस्त, त्रुटि सुधार एवं नाम संबंधी त्रुटियों के निराकरण में कथित रूप से अवैध धनराशि की मांग करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मांग पूरी नहीं होने पर संबंधित कार्यों में बाधा उत्पन्न की जाती है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया है कि तहसील कार्यालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में कोटवार की अनावश्यक दखलंदाजी रहती है तथा वे अपनी राजनीतिक पहुंच का प्रभाव दिखाकर किसानों पर दबाव बनाने का प्रयास करते हैं। इन आरोपों से नाराज ग्रामीणों और किसानों ने कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर मामले की शिकायत की तथा कोटवार के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि कोटवार अपने पद की गरिमा के विपरीत कार्य कर रहे हैं तथा राजनीतिक गतिविधियों में संलिप्त होकर पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन के बजाय राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण गांव में मतभेद और असंतोष की स्थिति निर्मित हो रही है। **ग्रामीणों के प्रमुख आरोप** : राजस्व मामलों में कथित रूप से अवैध वसूली की जाती है। राजनीतिक प्रभाव का उपयोग कर किसानों को डराने-धमकाने का प्रयास किया जाता है। गांव में निष्पक्ष प्रशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण प्रभावित हो रहा है। विकास कार्यों एवं सामान्य प्रशासनिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो त्रिलोकी दास मानिकपुरी को तत्काल कोटवार पद से हटाया जाए।

लोकमाता अहिल्या का जीवन त्याग और तपस्या की मिसाल

आरंग। छत्तीसगढ़ झेरिया गडरिया (पाल धनकर) समाज द्वारा आरंग में लोक माता अहिल्या देवी होलकर की जयंती अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाई गई। समारोह में समाज के सैकड़ों लोगों सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की और लोक माता अहिल्या देवी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया। समारोह के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष संदीप जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोक माता अहिल्या देवी होलकर का जीवन और उनके जनहित के कार्य पूरे मानव समाज के लिए प्रेरणा-पुंज हैं। उन्होंने एक कुशल शासक, न्यायप्रियता और महिला सशक्तिकरण की जो अद्भुत मिसाल पेश की, वह आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक है। संदीप जैन ने समाज की एकजुटता की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि पाल समाज हमेशा से ही सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने में अग्रणी रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नगर विकास के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के हर कार्य में उनका सहयोग सदैव बना रहेगा। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) ध्रुव कुमार मिर्धा उपस्थित थे, जिन्होंने समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ झेरिया गडरिया महासभा पाल समाज एवं आरंग राज के प्रदेश अध्यक्ष मिलन धनकर ने की। मंच का कुशल संचालन लक्ष्मण पाल द्वारा किया गया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में समाज के पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा, जिसमें मुख्य रूप से उपाध्यक्ष बलराम पाल, सचिव केशव पाल, कोषाध्यक्ष संतोष पाल, उपकोषाध्यक्ष वीरू पाल, संरक्षक खेलावन धनकर व तुलाराम पाल शामिल रहे। कार्यक्रम में सामाजिक मार्गदर्शन के लिए सलाहकार खोर पाल, राधेश्याम पाल, मन्नूलाल पाल, होरी पाल, नारायण पाल, शोभाराम पाल, राजेंद्र पाल, राधे पाल, घनश्याम पाल, संदीप पाल, जवाहर पाल, अलख पाल और भुनेश्वर पाल उपस्थित थे। इसके साथ ही पूर्व पार्षद चैतराम पाल, शंकर पाल सहित आरंग राज और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु, माताएं और बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने समाज के सर्वांगीण विकास और एकजुटता का संकल्प लिया।

- आरंग में धूमधाम से मनाई गई लोक माता अहिल्या देवी होलकर की जयंती

ऐतिहासिक महामाया तालाब की घोर उपेक्षा से पानी प्रदूषित, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आस्था, संस्कृति और जन-जीवन का प्रमुख केंद्र माना जाने वाला आरंग का ऐतिहासिक व प्रसिद्ध 'महामाया तालाब' आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। 'तालाबों की नगरी' के नाम से विख्यात आरंग नगर का यह मुख्य जलाशय आज घोर प्रशासनिक उपेक्षा और गंदगी का शिकार है। हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि तालाब के चारों ओर बने घरों और शौचालयों का दूषित पानी सीधे इसमें आकर मिल रहा है, जिससे कभी निर्मल रहने वाला यह जलस्त्रोत अब तेज दुर्गंध मार रहा है। स्थानीय बुजुर्गों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भारी मन से बताया कि करीब 40 वर्ष पहले इस तालाब का पानी इतना स्वच्छ और पारदर्शी था कि पूरे नगर के लोग इसका उपयोग पेयजल और रसोई के कार्यों के लिए करते थे। लेकिन वक्त के साथ संरक्षण के अभाव और बढ़ते शहरीकरण ने इसे एक गंदे नाले के रूप में तब्दील करना शुरू कर दिया है। नियमित सफाई न होने के कारण तालाब के किनारों पर प्लास्टिक, पॉलीथिन और अपशिष्ट कचरे का अंबार लगा हुआ है। यह तालाब केवल पानी का स्त्रोत नहीं, बल्कि आरंग की धार्मिक और सांस्कृतिक आत्मा है।

स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग का कहना है कि महामाया तालाब आरंग की बहुमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है। इसे इस तरह नष्ट होने नहीं दिया जा सकता। नगरवासियों ने प्रशासन, नगर पालिका और जन-प्रतिनिधियों से पुरजोर मांग की है कि तालाब में गिरने वाले गंदे पानी और नालियों को तुरंत रोका जाए। साथ ही, इसके गहरीकरण, पचरी निर्माण, सौंदर्यीकरण और दीर्घकालिक संरक्षण के लिए तत्काल युद्ध स्तर पर कार्य शुरू किया जाए, ताकि इस ऐतिहासिक धरोहर को समय रहते बचाया जा सके। आरंग को इतिहास में 'छः आगर छः कोरी' अर्थात 126 तालाबों की गौरवशाली नगरी कहा जाता था। अवैध कब्जों, देखरेख की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण आज यहां मुश्किल से 30 से 35 तालाब ही अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

तट पर कई मंदिर हैं स्थापित

इसके चारों किनारों पर प्राचीन और जागृत देवस्थान स्थापित हैं। तालाब के तट पर आदिशक्ति मां महामाया मंदिर, भव्य दुर्गा मंदिर, प्राचीन नारायण वन हनुमान मंदिर और कुमारेश्वर महादेव सहित कई अन्य शिव मंदिर स्थित हैं। इन मंदिरों में वर्ष भर धार्मिक अनुष्ठान होते हैं और प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। चैत्र व क्वांर नवरात्र में मां दुर्गा की प्रतिमाओं, ज्योति जवारा और लोक पर्व भोजली का विसर्जन इसी पवित्र तालाब में पूरे विधि-विधान से किया जाता है। इसके बावजूद इसकी पवित्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। नगर का मुख्य केंद्र होने के कारण आज भी बड़ी आबादी दैनिक निस्तारी (नहाने-धोने) के लिए इसी तालाब पर निर्भर है। पानी इस कदर दूषित हो चुका है कि इसके संपर्क में आने से स्थानीय लोगों और विशेषकर बच्चों में चर्म रोग (स्किन इन्फेक्शन) तथा अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा तेजी से मंडराने लगा है।

लोकमाता अहिल्या बाई की जयंती पर निकाली पाल समाज ने शोभायात्रा

कूंरा। रविवार का दिन पाल समाज के इतिहास में सुनहरे अक्षरों से दर्ज हो गया। मौका था लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती का। देसहा गड़रिया पाल समाज भवन परिसर जब इन्द्रधनुषी सतरंगी छटा से सराबोर हुआ तो लगा पूरा गड़रिया समाज एक मंच पर उतर आया है। बाजे-गाजे के साथ शोभायात्रा से शुरू हुआ कारवां जब मंच तक पहुंचा तो पूरा पंडाल एक स्वर में गरज उठा- 'जय गड़रिया, जय अहिल्या'। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं हर जुबान पर एक ही नारा, हर मुट्ठी हवा में तनी हुई। अहिल्याबाई की रूप में सजी बालिका को देख लगा मानो देवी अहिल्याबाई खुद आशीर्वाद देने उतर आई हों। देखते ही देखते पंडाल लोक-संस्कृति के सात रंगों में नहा गया। पूजा-अर्चना के साथ समाज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को याद करते हुए उपस्थित समाजजन ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर व रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्व गड़रिया समाज महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय हंसा, डॉ. तेजराम पाल, गोविंद धनगर, जनपद अध्यक्ष दौलत राम पाल, पार्षद लीलाधर पाल, जनपद सदस्य देवेन्द्र पाल, समाज के अध्यक्ष रामाधीन पाल, सचिव राजू पाल, कोषाध्यक्ष हेमंत पाल, तुलाराम पाल, कुलभूषण पाल, यशवंत राव पाल, पूर्णेन्द्र पाल, दानी पाल, अरविंद पाल, महेश पाल, दीनबंधु पाल, तेजराम पाल, ओमप्रकाश पाल, मिलन पाल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष इंदु पाल, रूपा पाल, भारती पाल, करूणा पाल, महेश्वरी पाल, युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी विकास पाल, सोहन पाल, सभी केन्द्रीय पदाधिकारी, सभी पार प्रमुख सहित हजारों की संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा कवि केशव पाल ने किया।

- स्वाभिमान महापर्व बना विद्यार्थी-महिला सम्मेलन, पाल समाज ने दिखाई एकजुटता

नन्हे कदमों ने मचाया धमाल : सर्वप्रथम गायत्री परिवार से जुड़े सांस्कृतिक कलाकारों ने सुमधुर भजनों से संगीतमय कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। तदुपरांत समाज के कलाकारों ने भी इस दौरान संगीयमय प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। एक ओर भजनों ने पंडाल को मंदिर बना दिया। वहीं नन्हे-मुन्ने जब नटखट अंदाज में थिरके तो हर गोद में बैठा बच्चा मंच पर पहुंच जाने मचल उठा। खेती, तीज-त्योहार, पारंपरिक और अनुष्ठान को जीते-जागते नृत्यों ने ऐसा माहौल बना दिया कि दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। सुआ नृत्य में बेटियों की लहराती कतार ने मानो सावन की घटा याद दिला दी। करमा-ददरिया की हुंकार ने रगो में बिजली दौड़ा दी। दिनभर पंडाल ठहाकों से गूंजता रहा। देर रात तक 'वाह-वाह' की गूंज परिसर की फिजा में तैरती रही।

मिनी माता स्मृति भवन विवाद में सीएमओ का पलटवार

मिनी माता स्मृति भवन का निर्माण जारी, अध्यक्ष का बयान निराधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

मिनी माता स्मृति भवन के निर्माण कार्य को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन द्वारा उठाए गए सवालों के बाद अब मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल चंद्रवंशी ने भी अपना पक्ष सामने रखा है। सीएमओ ने अध्यक्ष के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि भवन का निर्माण कार्य बंद नहीं है, बल्कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत जारी है। गौरतलब है कि नगर पालिका अध्यक्ष ने हाल ही में जारी विज्ञप्ति और कलेक्टर को भेजे पत्र में आरोप लगाया था कि सुशासन तिहार के दौरान कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा दिए गए निर्देशों के बावजूद वार्ड क्रमांक 13 स्थित मिनी माता स्मृति भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया।

इस मामले को लेकर उन्होंने प्रशासनिक लापरवाही और निर्देशों की अनदेखी का आरोप लगाया था। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएमओ शीतल चंद्रवंशी ने कहा कि मिनी माता स्मृति भवन को लेकर प्रस्तुत की जा रही जानकारी वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती। उनके अनुसार निर्माण कार्य धरातल पर प्रारंभ किया जा चुका है और वर्तमान में भवन परिसर में सेप्टिक टैंक के स्लैब निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

उन्होंने बताया कि परियोजना का कार्य तकनीकी स्वीकृतियों और निर्धारित निर्माण मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। साथ ही, कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। सीएमओ ने कहा कि नगर पालिका प्रशासन शासन के निर्देशों के अनुरूप विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य बंद होने अथवा मंत्री के निर्देशों की अनदेखी किए जाने संबंधी आरोप तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं। वहीं अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने बताया कि 8 मई को आरंग में सुशासन तिहार के मौके पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने 2 दिन के भीतर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए थे। लेकिन वास्तव में यह काम अध्यक्ष द्वारा 27 मई को नोटिस देने के बाद 20 दिन की देरी से शुरू हुआ। मिनी माता स्मृति भवन को लेकर अध्यक्ष और प्रशासन के दावों में अंतर सामने आने के बाद अब पूरे मामले पर जिला प्रशासन की संभावित समीक्षा और जांच पर निगाहें टिकी हैं। जांच अथवा आधिकारिक निरीक्षण के बाद ही निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति और विवाद के तथ्यों पर अंतिम तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

चरौदा में 19 नववधुओं का तिलक चंदन से सम्मान

आरंग। विकासखंड मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर दूर ग्राम चरौदा में नववधुओं के सम्मान की अनोखी परंपरा निभाई जा रही है। विगत चार वर्षों से यहां के उत्साही युवाओं द्वारा विभिन्न गांवों से विवाह होकर आई नववधुओं का सम्मान किया जाता है। इसी कड़ी में रविवार को ग्राम की 19 नववधुओं को तिलक-चंदन, श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम के पुरोहित, छत्तीसगढ़ी रामायण के लेखक एवं कवि प्रहलाद वैष्णव ने नववधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब आप सभी हमारे ग्राम की नागरिक हैं। अपने परिवार को सहेजने और संवारने के साथ-साथ गांव का नाम रोशन करने की जिम्मेदारी भी आप सभी की है। वहीं, सभी नववधुएं अपने ससुराल में इस अनोखी परंपरा को देखकर काफी प्रसन्न एवं प्रफुल्लित नजर आईं।

आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य नारी सम्मान एवं संस्कारों को बढ़ावा देना है। नारी दो कुलों को संवारने का कार्य करती है, इसलिए सम्मानपूर्वक उनका अभिनंदन किया जाता है। इस अवसर पर शिक्षक रेखराज तारक, प्रेमलाल साहू (पंच), हेमलाल साहू (पुजारी, कर्मा मंदिर), खेलावन साहू (ग्राम कोटवार), हेमंत साहू, पुष्पराज साहू, लेखराम साहू, मोहन साहू सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं माताएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक बुगेश्वर प्रसाद साहू ने किया। उक्त जानकारी सुप्रसिद्ध कवि एवं उद्घोषक पोयम शरण साहू ने दी।

मंत्री कश्यप ने कहा- वन विभाग की विभागीय जांच 3 माह में निपटाएं, देर पर नपेंगे अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वन मंत्री केदार कश्यप ने वन विभाग में वर्षों से लंबित विभागीय जांच प्रकरणों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए आगामी तीन माह के भीतर सभी पुराने मामलों का अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

■ वर्षों से लंबित मामलों की होगी समीक्षा, जवाबदेह तय होंगे अधिकारी

उन्होंने कहा, निर्धारित अवधि के बाद यदि पुराने प्रकरण असामान्य अथवा अत्यधिक विलंब से प्रस्तुत किए जाते हैं, तो संबंधित जांचकर्ता एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। वन मंत्री ने कहा, विभागीय जांच मामलों में अनावश्यक देरी प्रशासनिक कार्यप्रणाली को कमजोर करती है और कर्मचारियों को वर्षों तक मानसिक, सामाजिक तथा सेवा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शासन व्यवस्था में निर्णयहीनता और अनावश्यक विलंब के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, अनेक मामलों में विभागीय जांच प्रस्ताव 4 से 5 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद प्रस्तुत किए जाते हैं, जबकि कुछ प्रकरण संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने के बाद भेजे जाते हैं। यह स्थिति सुशासन, जवाबदेही और संवेदनशील प्रशासन की भावना के विपरीत है।

न्याय में विलंब, न्याय से वंचित करने के समान

उन्होंने कहा, लंबे समय तक प्रकरण लंबित रहने से अभिलेखों और साक्ष्यों के परीक्षण में कठिनाई आती है तथा विभागीय कार्यवाही की गंभीरता और प्रभावशीलता भी प्रभावित होती है। कई कर्मचारी वर्षों तक बिना किसी निर्णय के अनिश्चितता की स्थिति में कार्य करने को विवश रहते हैं, जिससे उनके सेवा हित, पदोन्नति, पेंशन और व्यक्तिगत जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, यदि कोई कर्मचारी दोषी है तो उसके विरुद्ध समय पर कार्रवाई होनी चाहिए और यदि वह निर्दोष है तो उसे अनावश्यक उत्पीड़न एवं अनिश्चितता से शीघ्र राहत मिलनी चाहिए। न्याय में विलंब, न्याय से वंचित करने के समान है।

एक माह में सभी प्रकरण की जानकारी जुटाएं

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि एक माह के भीतर विभाग में पूर्व से लंबित सभी विभागीय जांच प्रकरणों की जानकारी संकलित की जाए तथा सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा, जवाबदेही तय किए बिना प्रशासनिक सुधार संभव नहीं है। विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्ध निर्णय और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना सुशासन की मूल आवश्यकता है। उन्होंने कहा, शासन का उद्देश्य केवल अनुशासनात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करना है जिसमें कर्मचारियों को समय पर न्याय मिले, निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी हो और जवाबदेही स्पष्ट रूप से तय हो।

खबर संक्षेप

बीएसयूपी कॉलोनी में मन की बात का किया सामूहिक श्रवण

रायपुर। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा शहर जिला रायपुर द्वारा भक्त माता कर्मा वार्ड क्रमांक-67 स्थित बीएसयूपी कॉलोनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा देश के विकास जनभागीदारी, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े प्रेरणादायी विचारों को सुना गया। उपस्थितजनों ने राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में विधायक सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव कुमार अग्रवाल, छग फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन, पूर्व प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के उपाध्यक्ष बसंत बाघ, अजा. मोर्चा रायपुर जिला के अध्यक्ष पंकज जगत, जिला कार्यक्रम प्रभारी सोनूचंद बघेल, कार्यक्रम संयोजक देवराज महानंद, खेमलाल कोशले, पार्षद सोनू तिवारी, पार्षद रवि सोनकर, पार्षद कुबेर सपहा सहित मोर्चा के पदाधिकारी एवं वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर ने स्वास्थ्य शिविर का किया निरीक्षण

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई एवं रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा एमएमआई हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर पिछले दस दिन से चल रहा है। इस दौरान पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने एमएमआई हॉस्पिटल पहुंचकर अपनी आंखों का एवं रुटीन चेकअप कराया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया, दस दिन से शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पुलिस कमिश्नरेट के 300 से ज्यादा लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया है। इस अवसर पर एसीपी तारकेश्वर पटेल के अलावा सिंधी काउंसिल के महामंत्री सुनील कुकरेजा, विक्की लोहाना, युवा विंग अध्यक्ष जीतू लोहाना, रितेश वाधवा, धनेश मटलानी, रोशन ओछवानी, हरीश मांगतानी, लक्ष्मी बजाज चंचलानी आदि उपस्थित थे।

मंदिर हसौद में लगे शिविर में 78 आवेदनों का मौके पर निराकरण

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आरंग विकासखण्ड के नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद में सोमवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोग आवेदन लेकर पहुंचे थे। इस दौरान 78 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। इनमें मुख्य रूप से राशन कार्ड, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित विभिन्न दस्तावेजों से जुड़े प्रकरण शामिल रहे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया। इस दौरान मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम कार्ड एवं उनके नवीनीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस वितरण की प्रक्रिया संपन्न हुई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 14 हितग्राही, कृषि विभाग ने 3 किसानों को खाद बीज वितरण किया।

यूडीआईडी कार्ड नहीं बनने से दिव्यांजनों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा

प्रदेश में पंजीकृत 7.50 लाख दिव्यांग, इनमें अब तक 2.50 लाख के ही बन पाए हैं यूडीआईडी कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिव्यांगजनों को अब विशिष्ट दिव्यांगता (यूडीआईडी) कार्ड बनाना अनिवार्य है। इस कार्ड के आधार पर ही दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना है, लेकिन प्रदेश में यूडीआईडी कार्ड बनाने का कार्य इतना धीमा चल रहा है कि पंजीकृत लगभग साढ़े 7 लाख में ढाई लाख के करीब दिव्यांगजनों के ही यूडीआईडी कार्ड बन पाए हैं, जबकि 5 लाख कार्ड बनाए जाने बाकी हैं। इधर दिव्यांजन संघ के प्रदेश अध्यक्ष डोमान बया का कहना है कि यूडीआईडी कार्ड बनवाने की जिम्मेदारी समाज कल्याण विभाग की है। इसके लिए विशेष शिविर लगाए जाने चाहिए, ताकि जल्द से जल्द लोगों के यूडीआईडी कार्ड बन सके।

केंद्र सरकार ने श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड की तरह दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना का लाभ लेने के लिए यूडीआईडी कार्ड बनवाना अनिवार्य कर दिया है। यह कार्ड समाज कल्याण विभाग या मान्यता प्राप्त सीएससी केंद्र में बनने हैं। इसके लिए दिव्यांगजन को आवेदन करना है। इस आवेदन में दिव्यांगजन का पंजीकृत नंबर एवं आधार नंबर देना अनिवार्य है। अगर पंजीकृत नहीं है, तो उसे पहले अपना पंजीयन करना होगा। विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में पंजीकृत दिव्यांगजनों की संख्या लगभग साढ़े 7 लाख है, जिनमें से अब तक लगभग ढाई लाख दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड बनाए गए हैं। शेष दिव्यांगजनों के अब तक यूडीआईडी कार्ड बन नहीं पाए हैं।

शिविर नहीं लगाए जाने से नहीं बन पा रहे

शिविर नहीं लगाए जाने से यूडीआईडी कार्ड बन नहीं पा रहे हैं, जिससे दिव्यांगजनों को योजनाओं से वंचित होना पड़ रहा है। पूर्व में दिव्यांगजनों के लिए जो सर्वे हुआ है, उसमें खानापूर्ति की गई है। घर-घर सर्वे के लिए टीम पहुंची ही नहीं है।
- **डोमन बया,** अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन संघ

अब तक ढाई लाख बन चुके

दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनाना अनिवार्य है। प्रदेशभर में अब तक लगभग ढाई लाख के बन चुके हैं, वहीं शेष दिव्यांगजनों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है। समाज कल्याण विभाग, चॉइस सेंटर में आसानी से बन रहे हैं। छूटे हितग्राहियों के जल्द से जल्द कार्ड बन जाए, इसके लिए सभी जिलों में विशेष शिविर लगाए जाने के निर्देश दिए हैं।
- **लोकेश कावड़िया, अध्यक्ष,** छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम

सूची की जांच हुई तो मृतकों के साथ दूसरे जिलों के नाम भी मिलेंगे

प्रदेश में पंजीकृत दिव्यांगजनों की सर्वे के बाद जो सूची तैयार की गई थी। इसमें कई नाम ऐसे भी सामने आ सकते हैं, जिनकी मृत्यु चुकी हैं, या फिर वे दूसरे जिले के निवासी हैं। सूत्रों के अनुसार जिन दिव्यांजनों के यूडीआईडी कार्ड नहीं बने हैं, उनमें ऐसे दिव्यांगजनों के नाम भी शामिल होने की संभावना हैं।

सर्वे कागजों में, पुरानी सूची के आधार पर रिपोर्ट तैयार

तत्कालीन कांग्रेस के शासनकाल में पूरे प्रदेश में नए दिव्यांजनों का पता लगाने और डॉटा अपडेट करने के लिए कई सालों के बाद एजेंसी के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे कराया गया था, जिसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही सभी जिलों में पंजीकृत दिव्यांगजनों का डॉटा अपडेट हुआ था। हालांकि सूत्रों की मानें तो यह सर्वे कागजों में ज्यादा एवं धरातल पर कम हुआ था। राजधानी रायपुर में ही लगभग 10 से 20 प्रतिशत घरों में घुमकर सर्वे की लिस्ट तैयार कर ली गई थी। यही कारण है कि उस समय कई वार्डों के पाषदों को ही इस सर्वे की जानकारी तक नहीं थी।

कार्ड नहीं बनने से योजनाओं से वंचित

दिव्यांगजन के लिए यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य सितंबर 2024 से देश में लागू है। इस तरह इसे लागू हुए डेढ़ वर्ष से अधिक समय बीता चुका है। इसके बाद भी प्रदेश में लाखों दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड बन नहीं पाए हैं। कार्ड नहीं बनने से दिव्यांगजनों को सरकारी नौकरी, आरक्षण, छात्रवृत्ति, जैसे अन्य कई लाभ भी नहीं मिल पा रहे।

बजरंग दल ने दिया प्रदेश के कार्यकर्ताओं को कई विषयों पर प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर महानगर में बजरंग दल छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा भारत सेवा आश्रम द्वारा संचालित वीआईपी रोड स्थित प्रणवानंदा स्कूल में 9 दिनों तक कार्यकर्ताओं को अलग-अलग विषियों पर प्रशिक्षण दिया गया। जिला मंत्री बंटी कटरे शौर्य प्रशिक्षण वर्ग में छत्तीसगढ़ प्रान्त के विभिन्न जिलों से 175 चयनित कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सत्संग प्रमुख बसंत रथ, एवं मुख्य वक्ता भोपाल क्षेत्र संगठन मंत्री जितेंद्र पवार एवं विश्व हिंदू परिषद छत्तीसगढ़ प्रान्त मंत्री पूर्णेन्दु सिन्हा रहे। मुख्य वक्ता ने कहा, बजरंग दल का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सेवा-भाव एवं चारित्रिक दृढ़ता का निर्माण करना है। वर्ग पालक रवि ब्रम्हचारी एवं वर्ग प्रमुख बजरंग दल प्रांत संयोजक शुभम नाग ने वर्ग की रूपरेखा प्रस्तुत की। शारीरिक प्रशिक्षण में प्रतिदिन प्रातः 5:00 बजे से योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, दंड, बैठक, दौड़ एवं नियुद्ध के माध्यम से कार्यकर्ताओं का शारीरिक विकास किया गया। आत्मरक्षा की तकनीकों का अभ्यास कराया गया। बौद्धिक सत्र में प्रतिदिन प्रबुद्ध वक्ताओं एवं प्रशिक्षकों द्वारा भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद, सामाजिक समरसता, वर्तमान चुनौतियां, परिवार प्रबोधन एवं कार्यकर्ता का आचरण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया।

विशेषज्ञों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

सेवा एवं आपदा प्रबंधन में प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर, अग्निशमन, यातायात नियंत्रण, बाढ़-भूकंप में बचाव कार्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। सांस्कृतिक गतिविधि में सायंकालीन सत्र में देशभक्ति गीत, समूहगान, वाद-विवाद एवं प्रश्न-मंच के माध्यम से बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विकास पर बल दिया गया। सामूहिक गतिविधि में स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर की साफ-सफाई, सामूहिक श्रमदान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया। समापन समारोह के मुख्य वक्ता बजरंगदल राष्ट्रीय सह-संयोजक विवेक कुलकर्णी एवं मुख्य अतिथि बजरंग दल भोपाल क्षेत्र के सह-संयोजक विश्ववर्धन रहे। इस अवसर पर प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं द्वारा शारीरिक दक्षता का प्रभावी प्रदर्शन किया गया।

धान खरीदी के लिए खुलेंगे नए 320 केंद्र

मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में खरीफ की तैयारियों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2026-27 में धान खरीदी के लिए राज्यभर में 320 नए केंद्र खोलने की तैयारी है। राज्य में अब तक 2740 केंद्रों के माध्यम से धान की खरीदी की जाती रही है। नए खरीद केंद्र खुलने से किसानों को अपना धान समर्थन मूल्य पर बेचने में आसानी होगी। राज्य में नए खरीफ सीजन 2026-27 की तैयारियों के सिलसिले में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक भी हुई है।

■ खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक भी हुई

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रि मण्डलीय उप समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति के सदस्यगण कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिक मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। उप मंत्रिमण्डलीय समिति के बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के निष्पादन एवं कस्टम मिलिंग तथा आगामी खरीफ सीजन में धान खरीदी के तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, वित्त विभाग के सचिव रोहित यादव, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, मार्कफेड के एमडी जितेन्द्र शुक्ला, मंडी बोर्ड के एमडी महेन्द्र सिंह सवन्नी सहित अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जाति की जांच, छानबीन समिति ने की कई प्रकरणों पर सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में सोमवार को उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष, नवा रायपुर में हुई। बैठक में कुल 19 प्रकरणों की समीक्षा एवं सुनवाई की गई, जिसमें कुल 07 प्रकरण सुनवाई के लिए रखे गये एवं 12 प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत किये गए। सुनवाई के लिए रखे गए कुल 07 प्रकरणों में से 04 प्रकरणों पर सुनवाई पूर्ण कर आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए, 02 प्रकरणों पर पुनः अवसर प्रदान करने एवं 01 प्रकरण पर पुनः सोशल स्टेटस प्रस्तुत करने के लिए विजिलेंस टीम को निर्देशित किया गया। बैठक में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास डी. राहुल वेंकट (सदस्य), संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हिना अनिमेष नेताम (सदस्य सचिव), संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय ऋतुराज रघुवंशी (सदस्य), संचालक, भू अभिलेख, विनीत नंदनवार, संयुक्त संचालक, टीआरटीआई गायत्री नेताम (प्रभारी अधिकारी, जाति जांच प्रकोष्ठ), रमा उइके (सदस्य) सहित जाति जाँच प्रकोष्ठ के एमानुअल लकड़ा (डीएसपी), जितेन्द्र गुप्ता एवं अंजनी भगत उपस्थित थे।

दो प्रकरणों में वीसी से सुनवाई

समिति के विचारार्थ रखे गए कुल 12 प्रकरणों में से 02 प्रकरणों पर गुण-दोष के आधार पर एवं 05 प्रकरणों पर सकारात्मक विजिलेंस रिपोर्ट के आधार पर आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय जनजाति आयोग से प्राप्त 01 प्रकरण (55 बैगा) पर गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मस्तुरी, दोनों जिलों के सहायक आयुक्त एवं उच्चस्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति के विजिलेंस सेल द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरणों की गहन जांच हेतु संबंधित जिलों में परिभ्रमण कर मिसल अभिलेख, वंशावली, एवं सोशल स्टेटस का सत्यापन-परीक्षण किये जाने के निर्देश दिए गए जबकि शेष 04 प्रकरणों पर समिति द्वारा सुनवाई हेतु अवसर प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया। सबसे महत्वपूर्ण कि उक्त 12 में से दो प्रकरणों में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया।

राज्य में प्रशासनिक अराजकता हावी : बैज

■ बेमेतरा के सरकारी कार्यक्रम में अव्यवस्था पर सियासत

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बेमेतरा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में फैली अव्यवस्था राज्य की बेलगाम नौकरशाही का एक नमूना है। प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं बची है। बेमेतरा में पूरी सरकार के समक्ष सरकारी कार्यक्रम में अव्यवस्था पर विधानसभा अध्यक्ष को मंच से रोष प्रकट करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, इसके पहले बेमेतरा के ही सुशासन त्योहार में वरिष्ठ मंत्री, सरकारी अमले और पुलिस पर शराब बेचने का आरोप लगाते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद बृजमोहन अग्रवाल रायपुर के कोने-कोने में अधिकारियों को अवैध शराब बिकवाने का खुला आरोप लगाते हैं। यह घटनाएं बताती हैं कि राज्य में सरकार नाम की कोई चीज नहीं बची है। राज्य की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था सब खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा, राज्य में सिर्फ प्रशासनिक अराजकता ही नहीं हावी है, सत्तारूढ़ दल के लोग भी मारपीट पर उतारू हो गए हैं। विधायक, तहसीलदार से मारपीट करते है, पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पा रही है।

भाजपा बोली- सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणाम समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। तीन चरणों में आयोजित सुशासन तिहार में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंवाद को बढ़ावा मिल रहा है, जिसका उद्देश्य शासन को जन-केंद्रित बनाना, जन सरोकार, जन विश्वास को मजबूत करना और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करना है।

श्री चिमनानी ने कहा, सुशासन तिहार का उद्देश्य जनता के बीच शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करना और जनता-शासन के बीच संवाद का सेतु बनाना है। सुशासन तिहार में जनता की आवाज को न केवल सुना जा रहा है, बल्कि त्वरित कार्रवाई के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा रहा है। उन्होंने कहा, सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणाम समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहे हैं। यह अभियान प्रदेश सरकार की तत्परता और संवेदनशीलता का प्रतीक है, जिसने जनता में यह विश्वास जगाया है। उन्होंने कहा, सुशासन तिहार को लेकर जनता में उत्साह है। सुशासन तिहार वास्तव में छत्तीसगढ़ के विकास, जन सरोकार और जनकल्याण का नया आयाम स्थापित कर रहा है।

अंबिकापुर पहले, बिलासपुर दूसरे और रायपुर तीसरे नंबर पर

अब पांच फीसदी पंजीयन शुल्क में ही बिजली बिल बकाया का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के करीब नौ लाख उपभोक्ताओं के बकाया बिल का निराकरण करने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री बिजली बिल बकाया भुगतान समाधान योजना चल रही है। इसमें अब तक करीब साढ़े सात लाख उपभोक्ताओं के बकाया बिजली बिल का समाधान हो गया है। इसके लिए पहले दस फीसदी पंजीयन शुल्क जमा करना जरूरी रखा गया था, लेकिन अब इसको कम करके पांच फीसदी कर दिया गया है। ऐसा करने के पीछे का कारण यह है कि सभी उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया का समाधान हो सके।

पंजीयन शुल्क से ही छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को 60 करोड़ मिल चुके हैं। योजना 30 जून तक चलेगी। प्रदेश में बिजली के आम उपभोक्ताओं पर ही तीन हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया है। इसमें से 31 मार्च 2023 के पहले के उपभोक्ताओं पर डेढ़ हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया है। ऐसे उपभोक्ताओं के लिए ही प्रदेश सरकार ने समाधान योजना का प्रारंभ किया है। इनका पूरा सरचार्ज माफ किया गया है। सरचार्ज की राशि ही 758 करोड़ है। इसमें से अब तक छह सौ करोड़ का सरचार्ज माफ हो चुका है।

अंबिकापुर नंबर वन

समाधान योजना का लाभ उठाने में अंबिकापुर पहले नंबर पर है। यहां के रीजन में 306171 उपभोक्ता बकायेदार हैं। इसमें ने पौने तीन लाख ने पंजीयन करा लिया है। इनसे पंजीयन के रूप में 21 करोड़ से ज्यादा मिले हैं। इसके बाद बिलासपुर का नंबर है। इस रीजन में 224635 उपभोक्ता बकायेदार हैं। इनमें से करीब पौने दो लाख ने पंजीयन कराया है। इनसे करीब 12 करोड़ मिले हैं। तीसरे नंबर पर रायपुर है। यहां पर एक लाख 17 हजार बकायेदार हैं। इनमें से एक लाख ने पंजीयन करा लिया है। इनसे 9 करोड़ मिले हैं। इसी तरह से अन्य रीजन में भी बकायेदारों ने पंजीयन कराया है। इसके लिए इनको बकाया राशि का दस फीसदी पंजीयन शुल्क के रूप में देना पड़ा है। लेकिन इसको पांच फीसदी कर दिया गया है।

कम किया पंजीयन शुल्क

सभी उपभोक्ताओं के बकाया बिजली बिल का समाधान हो सके इसलिए अब पंजीयन शुल्क को दस फीसदी से कम करके पांच फीसदी कर दिया गया है।
- **भीम सिंह कंवर,** एमडी, वितरण कंपनी

एपीएल को दस फीसदी छूट

सामान्य वर्ग के उपभोक्ताओं को बकाया पर मूल राशि में दस फीसदी की छूट उस स्थिति में मिलेगी जब वे सारा बकाया एक साथ जमा करेंगे। अगर तीन किस्तों में बकाया किया जाएगा तो पांच फीसदी की छूट मिलेगी। छह किस्तों में बकाया जमा करने की भी सुविधा मिलेगी, लेकिन इसमें कोई छूट नहीं मिलेगी।

बीपीएल के लिए बड़ी छूट

योजना में बीपीएल वर्ग के उपभोक्ताओं को डबल राहत दी गई है। पहली राहत तो जिन उपभोक्ताओं का कनेक्शन 31 मार्च 2023 के पहले कट हो गया है उनको सरचार्ज में पूरी छूट के साथ ही मूल राशि में भी 75 फीसदी की छूट दी जा रही है। इसी के साथ जिन भी बीपीएल वर्ग के उपभोक्ताओं का कनेक्शन सक्रिय है, पर उन पर हजारों या फिर लाखों का बकाया है उनको भी इस योजना में राहत दी गई है। ऐसे उपभोक्ता जिन पर बकाया राशि पांच साल से ज्यादा समय से बाकी है, उसको मूल राशि में भी 75 फीसदी की छूट दी गई है। इसी के साथ जिन का बकाया एक से पांच साल के बीच है, उनको मूल राशि में 50 फीसदी छूट दी गई है।

खबर संक्षेप

दिव्यांश फाउंडेशन ने दिया जल-संरक्षण का संदेश

रायपुर। बढ़ती गर्मी में पेयजल की समस्याओं को देखते हुए दिव्यांश फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा सोमवार को जल-संरक्षण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें हमारे घरेलू जल-संरक्षण के विविध उपाय बताए गए और साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं नागरिक जागरूकता के लिए जल संरक्षण अभियान चलाया और रैली निकाली गई, जो महादेवघाट रायपुरा चौक से प्रारंभ होकर राम मूर्ति चौक, सत्यम विहार गणेश मंदिर रोड, गली नंबर 3 से खल्लारी मंदिर होते हुए पुनः महादेवघाट पर संपन्न हुई। इस जन-जागरूकता कार्यक्रम में गोवर्धन पाटीदार, संजय शर्मा, दुष्यंत सोनी, वीरेंद्र कश्यप, पवन यद्दु, तुषार यद्दु, ठाकुरराम और ममता मानिकपुरी की उपस्थिति रहीं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पोस्टर स्पर्धा 5 को

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन वीआईपी रोड स्थित एक होटल में 5 जून को सुबह 10 बजे प्रांरभ होगा। प्रतियोगिता का विषय प्रकृति से प्रेरित होकर जलवायु और भविष्य का संरक्षण करें रखा गया है। पोस्टर प्रतियोगिता चार आयुवर्ग में रखी गई है। प्रथम वर्ग 12 वर्ष तक, द्वितीय वर्ग 13 से 17 वर्ष, तृतीय वर्ग 18 से 21 वर्ष एवं चतुर्थ वर्ग दिव्यांगजन का होगा। प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। मण्डल के सदस्य सचिव राजु अगासिमनि ने बताया कि यूएनईपी द्वारा इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम क्लाइमेट एक्शन रखी गई है। मण्डल द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करने का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता का प्रसार करना है। मण्डल ने सभी विद्यार्थियों एवं दिव्यांगजनों से इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

साहित्यकार पटले को शब्द शिखर सम्मान

रायपुर। वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में रविवार को वक्ता मंच रायपुर के भव्य आयोजन में साहित्य के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए जाने के फलस्वरूप साहित्यकार प्रमोद पटले रायपुर को छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी संस्था वक्ता मंच द्वारा शब्द शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व भी देश की कई संस्थाओं द्वारा इनके लेखन कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। श्री पटले वर्तमान में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय विद्यालय रायपुर में सेक्शन ऑफिसर के पद पर, पंवार क्षत्रिय संगठन, रायपुर के महासचिव के पद पर कार्यरत हैं एवं कल्पकथा साहित्य संस्था के एक्टिव मेंबर भी हैं।

टाटीबंध के बाद रायपुरा में हाईटेक महतारी सदन तैयार, जल्द होगा लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के टाटीबंध इलाके में प्रदेश का पहला हाईटेक महतारी सदन-सह आंगनबाड़ी केंद्र बनने के बाद अब संत रविदास वार्ड के रायपुरा क्षेत्र में दूसरा हाईटेक महतारी सदन-सह आंगनबाड़ी केंद्र और महिलाओं तथा बच्चों के लिए योगा भवन और जुंबा डांस के लिए अलग से सेंटर बनकर तैयार है। इसका लोकार्पण जल्द होगा। पूर्व मंत्री और रायपुर पश्चिम क्षेत्र विधायक राजेश मूणत की विशेष पहल पर नगर निगम जोन 8 कमिश्नरी ने रायपुरा क्षेत्र में छोटे बच्चों के लिए प्ले स्कूल की सुविधा के साथ महिलाओं और बच्चों के लिए योगा भवन और जुंबा डांस के लिए अलग से भवन बनवाया है। इससे बच्चों को खेल, शिक्षा और पोषण के साथ ही माताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भवन की डिजाइज तैयार की गई है। कुल मिलाकर बच्चों और महिलाओं के लिए यह आधुनिक ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित करने की तैयारी है।

- कामकाजी माताओं को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल मिलेगा, बच्चों के लिए प्ले स्कूल सुविधा भी

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने की विशेष पहल

टाटीबंध के हाईटेक महतारी सदन-सहआंगनबाड़ी केंद्र , संचालन के लिए एजेंसी तय

महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में 27 मई को महात्मा गांधी सदन में हुई एमआईसी की बैठक में पूर्व माध्यमिक शाला परिसर टाटीबंध में नवनिर्मित महतारी सदन-सह आंगनबाड़ी केंद्र संचालन के लिए महाराष्ट्र मंडल को एजेंसी तय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। जोन 8 द्वारा पूर्व में मंगाई गई रुचि की अभिव्यक्ति में तीन एजेंसियों ने महतारी सदन संचालन के निविदा भरी। इनमें महाराष्ट्र मंडल चौबे कालोनी रायपुर, छत्तीसगढ़ महिला मंच रोहणीपुरम, पी.ई डब्लू.एस. प्रतिमा एजूकेशन एंड वेलफेयर डीडी नगर रायपुर शामिल रही। महाराष्ट्र मंडल चौबे कालोनी रायपुर का अधिकतम दर 61 हजार रुपए प्राप्त हुआ, जिसे निगम कोष में जमा कराया जाएगा। निविदा समिति ने महाराष्ट्र मंडल चौबे कालोनी के दर की स्वीकृति की अनुशंसा की। जिसे एमआईसी की बैठक में पूर्णतः निशुल्क संचालन के लिए अनुमति दी गई है। महाराष्ट्र मंडल चौबे कालोनी के अध्यक्ष अजय काले ने हरिभूमि को बताया कि एमआईसी से स्वीकृति के बाद नगर निगम से टाटीबंध के महतारी सदन संचालन के लिए जल्द एग्रीमेंट होगा। संभवतः 15 जून से संचालन कार्य शुरू कर दिया जाएगा। सेंटर में बच्चों के खेलने के लिए फिसलपट्टी, झूले, कैरम, सांपसीढ़ी, शतरंज, बास्केट बॉल, पिट वॉल व स्विंग जैसी खेल सुविधाएं दी जाएंगी। कुल मिलाकर खेल-खेल में बच्चों की पढ़ाई होगी। उनके लिए किताबें रहेंगी, पौष्टिक भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल

कामकाजी महिलाओं के लिए एक सुरक्षित माहौल में आत्मनिर्भरता से जुड़े कार्यो पर महतारी सदन में चर्चा की जाएगी। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उन्हें स्वसहायता समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सौंदर्यीकरण, सफाई और तामझाम में फूंके दो चरण में 36 करोड़

बूढ़ातालाब में नेहरूनगर तरफ से नाले का गंदा पानी

काई की मोटी परत, गंदगी का ढेर भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

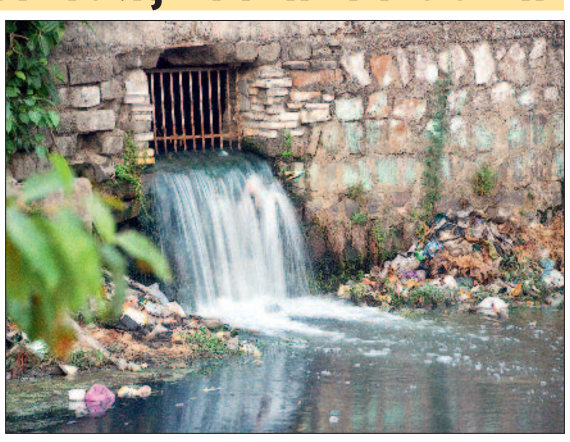

बूढ़ातालाब को प्रदेश का सबसे सुंदर पर्यटन स्थल बनाने और उसकी दशा सुधारने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने दो फेज में तालाब सौंदर्यीकरण, सफाई और इसे चमकाने में 36 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। इसके बाद भी तालाब की दशा नहीं सुधर पाई है। नेहरू नगर की ओर से नाले का गंदा पानी सीधे बूढ़ातालाब में जा रहा है जिससे तालाब में गंदगी, बदबू और काई की मोटी परत जम गई है।

बदहाली की मार झेल रहे शहर के प्राचीन सरोवर की दशा सुधारने न तो छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अधिकारियों को फिक्र है, न ही निगम प्रशासन और शहरी सरकार इस ओर ध्यान दे रही है। नाले का गंदा पानी तालाब में मिलने से इसमें बदबू आने लगी है, साथ ही इसकी गुणवत्ता पर असर पड़ने लगा है।

अंचल की पहचान कहे जाने वाले स्वामी विवेकानं-सदर वार्ड के बूढ़ातालाब की हालत दिन प्रतिदिन खराब होते जा रही है। तेज गर्मी के चलते जहां तालाब का जलस्तर प्रभावित हुआ है, वहीं एक अरसे से इसकी सफाई नहीं होने से तालाब में काई और शैवाल की मोटी परत जम चुकी है। इससे तालाब की सुंदरता पर असर पड़ा है। यदि बारिश से पहले तालाब की सफाई नहीं हुई और नाले के गंदा पानी को तालाब में गिरने से रोकने समुचित प्रयास नहीं हुआ तो स्थिति और बिगड़ सकती है। वार्ड पार्षद और जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त को तालाब की बदहाल स्थिति से अवगत करा दिया है।

उनका कहना है बूढ़ातालाब के मध्य स्थित नीलाभ गार्डन में अंधेरा छाया हुआ है बंद पड़ी लाइटों को बदलने की मांग संबंधित जोन और निगम मुख्यालय में भी की है। इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

आरटीओ चालान के नाम पर महिला को एपीके फाइल भेजकर 3.67 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- फाइल क्लिक करने पर जालसाज ने रात में महिला के दो अकाउंट से रुपए उड़ाए

आजाद चौक थाना में एक महिला ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ आरटीओ चालान के नाम पर एपीके फाइल भेजकर 3.67 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरटीओ के नाम से फर्जी ई-चालान महिला की बेटी के मोबाइल पर आया था। इसके बाद महिला की बेटी ने अपने ई-चालान को अपनी मां को फारवर्ड कर दिया था।

मुकुट नगर निवासी सीमा ठाकुर ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। सीमा ने पुलिस को

बताया है कि 23 मई को उसकी बेटी एश्वर्या के मोबाइल पर आरटीओ ई-चालान से संबंधित मैसेज एवं एपीके फाइल आया था, जिसे एश्वर्या ने अपनी मां के मोबाइल में फारवर्ड कर दिया। महिला ने उसी समय मैसेज खोलकर देखा। क्लिक करने पर मैसेज ब्लैंक था। इसके बाद महिला ने मैसेज की ओर ध्यान नहीं दिया। सात दिन बाद 30 मई की रात महिला के दो बैंक अकाउंट से क्रमशः 52 हजार, तीन लाख 15 हजार आहरण हो गया। इसके बाद महिला अज्ञात जालसाज के खिलाफ थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराने पहुंची।

लगातार चेतावनी के बाद भी नहीं चेत रहे लोग

आरटीओ, ट्रैफिक पुलिस के साथ बिजली विभाग के अफसर अपने विभाग से संबंधित किसी तरह से एपीके फाइल से चालान नहीं भेजे जाने की एडवाइजरी समय-समय पर जारी करते रहते हैं। बावजूद इसके लोग संबंधित विभागों की एडवाइजरी को नजर अंदाज कर चालान आने के भय से लिंक को बगैर देखे खोल देते हैं। एपीके फाइल रिमोट है, फाइल क्लिक करने पर मोबाइल का कंट्रोल जालसाज के पास आ जाता है। जालसाज मोबाइल हैक कर पूरी जानकारी निकालकर कई और लोगों को उसी नंबर से लिंक भेज कर ठगी का शिकार बनाते हैं या पैसों की मांग करते हैं। इसके साथ ही पीड़ित के अकाउंट की जानकारी निकालकर रकम आहरण कर ठगी का शिकार बनाते हैं।

बदमाशों ने बैंक मित्र के साथ की दो लाख की लूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- अभनपुर पुलिस जांच में जुटी

अभनपुर थाना क्षेत्र में एक बैंक मित्र के साथ बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने दो लाख रुपए की लूट की है। लूट की घटना खोरपा-बिरोदा गांव के बीच पगडंडी में हुई है। बदमाशों ने बैंक मित्र की आंखों में पहले मिर्च पावडर फेंका, हेलमेट पहने होने की वजह से मिर्च पावडर ने असर नहीं किया, तो बदमाशों ने बाइक अड़ाकर बैंक मित्र का नोटों से भरा बैग लूटा और फरार हो गए।

पुलिस के मुताबिक बरोदा निवासी पोषण साहू शाम पांच बजे अभनपुर के बैंक ऑफ बड़ौदा से नोटों से भरा बैग लेकर जा रहा था। इस दौरान सूनसान रास्ते खोरपा तथा बरोदा के बीच दो बदमाश पोषण के करीब पहुंचे। बाइक के पीछे में बैठे बदमाश ने मिर्च पावडर निकालकर पोषण की आंखों की पास फेंका। बदमाश जब मिर्च पावडर फेंक रहा था, तब पोषण ने उसे देख लिया और अपने हेलमेट में लगे फेस गार्ड को नीचे कर अपने चेहरे को बचाया। इसके बाद बदमाश पोषण की बाइक के सामने अपनी बाइक अड़ाकर उससे नोटों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की पुलिस कर रही जांच

पोषण के साथ लूट हुई है या नहीं, इसकी जानकारी जुटाने पोषण जिन रास्तों से होकर अपने घर की ओर जा रहा था, उन रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों की पुलिस पड़ताल कर रही है। साथ ही पुलिस बैंक के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल कर रही है। रैकी करने के बाद बदमाशों ने पोषण के साथ लूट की है, इस आशंका पर पुलिस बैंक के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी पड़ताल कर रही है।

दिव्यांग रोजगार मेला 5 को

रायपुर। अस्थिबाधित, बौने, कम सुनने एवं देखने में कठिनाई वाले दिव्यांगजनों को रोजगार देने के लिए 5 जून को रोजगार मेला सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार रायपुर में लगेगा। विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर के उपसंचालक रोजगार डॉ. शशी अतुलकर ने बताया कि यंग इंडिया के तत्वाधान में आयोजित इस रोजगार मेले में विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों द्वारा दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार मेले में क्रेडालिस केपिटल प्रा. लि., आई. ट्रेड टेलिमेटिक्स निगरानी जीपीएस रामा उद्योग प्रा. लि., बारबरिक ट्रांसफॉर्मर्स, अविनाश डेवलपर्स प्रा. लि. एवं स्काई ऑटोमोबाइल (मारुति नेक्सा) तथा विश्वभारती ऑटोमोबाइल प्रा. लि. रायपुर आदि प्रतिष्ठान शामिल होंगे।

पेज 11 के शेष ...

बूंद-बूंद पानी के ...

का स्थायी समाधान नहीं होने से रोज वाल्मिकी नगर वालों को एक-एक बूंद पानी के लिए जान जोखिम में डालकर पटरी पार करनी होती है। भनपुरी के दो वार्ड में पानी की किल्लत, जोन घेराव के बाद 15 दिन का अल्टीमेटम : जोन 1 क्षेत्र के बंजारी माता वार्ड, यतियतन लाल वार्ड के कविलाश नगर,रामेश्वर नगर, केविनपारा, बुनियाद नगर, बंधवा तालाब क्षेत्र, सतनामी पारा, भनपुरी के विजय नगर, और कमल चौक में गंभीर पेयजल संकट की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को पूर्व एमआईसी सदस्य एवं बंजारी माता वार्ड के पूर्व पार्षद नागभूषण राव के नेतृत्व में प्रभावित वार्ड के रहवासियों ने खमतराई स्थित जोन 1 कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। पानी की समस्या दूर करने की मांग को लेकर नारेबाजी कर ज्ञापन देते हुए जोन कमिश्नर को पानी संकट दूर करने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। प्रभावितों की शिकायत ये है कि उनके इलाके में बोरवेल पूरी तरह सूख गए, भनपुरी में दो पानी टंकी होने के बाद पर्याप्त प्रेशर के साथ घरों में पानी नहीं आ रहा है। कुछ इलाकों में गंदा पानी आने की शिकायत भी सामने आई है। पाइप लाइन मरम्मत के नाम पर सड़क और गलियों की खुदाई करने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है।

बस से पांच गुना ज्यादा...

का कहना है कि सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार, शनिवार को संचालित होने वाली इस फ्लाइट के साथ एक बार भी ऐसा संयोग नहीं हुआ है जब इस 72 सीटर फ्लाइट में पचास फीसदी यात्रियों ने एक साथ सफर किया हो। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत संचालित होने वाली इस फ्लाइट को यात्री नहीं मिलने की मुख्य वजह इसका ज्यादा किराया होना है। यात्रियों को रास नहीं आ रहा : रायपुर से जगदलपुर के बीच का सफर इस फ्लाइट के माध्यम से पूरा करने के लिए यात्रियों को न्यूनतम 4291 रुपए खर्च करने पड़ते हैं वहीं वापसी का किराया 3600 रुपए हैं। दोनों शहरों के बीच बस में सफर में भले ही पांच से छह घंटे का वक्त लगता हो मगर इसका किराया छह से आठ सौ के बीच है। इस हिसाब से केवल समय बचाने के लिए पांच गुना ज्यादा किराया देना आम यात्रियों को रास नहीं आ रहा है। फ्लाइट के एक यात्रियों के खर्च पर सड़क मार्ग से चार से पांच सदस्य आसानी से अपनी यात्रा पूरी कर सकते हैं। ज्यादा किराए की इस समस्या की वजह से करीब दो साल पहले तीन शहरों अंबिकापुर, बिलासपुर और रायपुर को जोड़ने संचालित होने वाली 18 सीटर छोटी फ्लाइट के उड़ान की योजना सालभर के भीतर ही बंद करनी पड़ गई थी। सप्ताह में तीन दिन यात्रा पूरी करने वाली इस फ्लाइट का किराया शुरुआत में एक हजार तय किया गया था जो बाद में बढ़कर चार हजार के करीब हो गया था। इसके बाद यात्रियों ने इस फ्लाइट से मुख मोड़ लिया और योजना को बंद कर दिया गया था।

बीए की परीक्षा में बांट ...

हुए। वहां के प्राध्यापक प्रश्नपत्र का हिंदी अनुवाद करने लगे ताकि किसी तरह छात्रों को मदद पहुंचाई जा सके। लेकिन प्रश्नों के स्तर में ही भिन्नता होने के कारण विद्यार्थियों की समस्याएं समाप्त नहीं हो सकी। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, जब कई महाविद्यालय प्रबंधन ने रविवि से संपर्क किया तो उन पर बांटे गए प्रश्नपत्र को ही छात्रों से हल करवाने का दबाव बनाया गया।

दो डिग्री लुढ़का ...

विशेषज्ञों के मुताबिक अगले तीन दिन में बड़ा बदलाव नहीं होगा, पर तापमान ऊपर चढ़ेगा। दोपहर बाद अंधड़ बारिश जैसी संभावना अभी भी बनी हुई है। पिछले चौबीस घंटे में गरियाबंद, बस्तर, सूरजपुर जिले के एक दो स्थानों पर बारिश हुई। 00 19 साल पहले एक दिन में 18 मिमी. बारिश : रायपुर जिले में जून के महीने में सर्वाधिक बारिश का रिकार्ड वर्ष 2007 में दर्ज है।

SECONDARY STEEL SECTOR के लिए उभरता बड़ा अवसर : INDUCTION FURNACE रूट से PRIMARY QUALITY STEEL बनाने की दिशा में नई पहल

रायपुर। भारत आज विश्व के प्रमुख स्टील उत्पादक देशों में शामिल है। इस उपलब्धि में सेकेंडरी स्टील सेक्टर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से Direct Reduced Iron/स्पंज आयरन और Induction Furnace आधारित स्टील उत्पादन ने देश के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचा निर्माण में बड़ा योगदान दिया है। भारत में नॉन-कोकिंग कोयले की पर्याप्त उपलब्धता के कारण कोल-बेस्ड डीआरआई का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसी डीआरआई का Induction Furnace में स्टील निर्माण के लिए होता है। इस मार्ग से बनने वाले स्टील को सामान्यतः सेकेंडरी स्टील की श्रेणी में रखा जाता है। हालांकि, पारंपरिक इंडक्शन फर्नेस रूट की सबसे बड़ी चुनौती उच्च गुणवत्ता वाले प्राइमरी ग्रेड स्टील का लगातार उत्पादन करना रही है। इस रूट से बनने वाले स्टील में फॉस्फोरस और सल्फर की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक रहने की समस्या देखी जाती है। इसी कारण महत्वपूर्ण और उच्च प्रदर्शन वाले उपयोगों में ऐसे स्टील को लेकर गुणवत्ता संबंधी आशंकाएं बनी रहती हैं। इसी वजह से बड़ी स्टील कंपनियां, प्रीमियम उपभोक्ता, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर, सरकारी परियोजनाएं और गुणवत्ता के प्रति सजग ग्राहक सामान्यतः PRIMARY STEEL को प्राथमिकता देते हैं, जिसमें फॉस्फोरस और सल्फर का स्तर कम तथा मेटलर्जिकल गुणवत्ता अधिक स्थिर होती है। स्टील उद्योग सलाहकार एवं कंसल्टेंट दिनेश कुमार सरावगी लंबे समय से इस दिशा में अध्ययन और शोध कर रहे हैं कि SECONDARY STEEL को व्यावसायिक रूप से व्यवहारिक और किफायती तरीके से प्राइमरी क्वालिटी स्टील में कैसे बदला जा सकता है। उनके अनुसार इस कार्य का मुख्य उद्देश्य स्पंज आयरन का बेहतर उपयोग, स्टील गुणवत्ता में सुधार, उत्पादन लागत में कमी, प्लांटों की लाभप्रदता में वृद्धि, मौजूदा संसाधनों का उपयोग, न्यूनतम अतिरिक्त पूंजी निवेश और वैल्यू एडेड स्टील ग्रेड के उत्पादन की क्षमता विकसित करना है। हाल ही में इस दिशा में एक उत्साहजनक नई स्टीलमेकिंग अवधारणा सामने आई है। इस नई प्रक्रिया के माध्यम से पारंपरिक इंडक्शन फर्नेस आधारित सेकेंडरी स्टील को उचित लागत पर प्राइमरी क्वालिटी स्टील में अपग्रेड करने की संभावना बन रही है। सरावगी ने बताया कि पिछले कई दिनों से वे इस तकनीकी अवधारणा के अध्ययन और परीक्षण कार्य में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। कुछ प्लांटों में प्रारंभिक स्तर पर इसका क्रियान्वयन भी शुरू हो चुका है। अब तक प्राप्त परिणामों से तकनीकी व्यवहार्यता और व्यावसायिक उपयोगिता को लेकर मजबूत विश्वास बना है। इस विकास की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मध्यम और छोटे स्टील उत्पादकों के लिए बड़ा अवसर साबित हो सकता है, जिनके पास पहले से Direct Reduced Iron और Induction Furnace आधारित बुनियादी ढांचा मौजूद है। यदि यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक आगे बढ़ती है, तो यह इंडक्शन फर्नेस और सेकेंडरी स्टील सेक्टर के लिए गेम चेंजर तकनीकी प्रगति साबित हो सकती है।

वैश्विक स्तर पर स्टील उद्योग स्वच्छ, ऊर्जा-कुशल, लचीले और लागत-प्रभावी उत्पादन मार्गों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में यदि कोई तकनीक मौजूदा SECONDARY STEEL इंफ्रास्ट्रक्चर का आर्थिक उपयोग करते हुए स्टील की गुणवत्ता में सुधार करती है, तो इससे उद्योग को दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है। फिलहाल यह कार्य विकास के चरण में है और आगे औद्योगिक परीक्षण, परिचालन अनुकूलन तथा तकनीकी सत्यापन की प्रक्रिया जारी है।

फिर भी प्रारंभिक परिणामों और उद्योग जगत की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने इस संभावना को मजबूत किया है कि आने वाले समय में यह अवधारणा सेकेंडरी स्टील उद्योग की दिशा बदल सकती है। दिनेश कुमार सरावगी ने उद्योग से जुड़े सहयोगियों, पेशेवरों और मित्रों से इस विषय पर आगे चर्चा के लिए सीधे +919777444777 व dksaraogi58@gmail.com. पर संपर्क करने का आग्रह किया है।

Advt.

आम सूचना

मौजा- गुजरा, प.ह.नं-00020, रा.नि. मं-पलौद, तहसील-मंदिर हसौद व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि, ख. नं.- 183/1, रकबा 0.060 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर-183/2, रकबा 0.140 हेक्टेयर कुल रकबा 0.200 हेक्टेयर एवं 50 डिसमिल कृषि भूमि के संबंध मे

सर्वविदित हो कि मेरा पक्षकार अनिल कुमार चन्द्राकर उम्र 41 वर्ष पिता-स्व. श्री तोरन लाल चन्द्राकर निवासी-मकान नंबर-5152, वार्ड नंबर-61, आनंद विहार कॉलोनी, भाठागांव, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) द्वारा विक्रेतागण क्र. 01 संतोष घृतलहरे पिता-शिवदास घृतलहरे, 02 सरोजनी मारकन्डेय पिता-शिवदास घृतलहरे, 03 गणेशा बाई गिलहरे पति-श्यामरतन गिलहरे, 04 तारामती कुर्रे पिता-श्यामरतन गिलहरे, 05 सोहदरीबाई टंडन पिता-मंगली सभी निवासी-ग्राम-गुजरा, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि, ख. नं.-183/1, रकबा 0.060 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर-183/2, रकबा 0.140 हेक्टेयर कुल रकबा 0.200 हेक्टेयर एवं 50 डिसमिल कृषि भूमि । स्थित मौजा गुजरा, प.ह.नं-00020, रा.नि.मं- पलौद, तहसील-मंदिर हसौद व जिला रायपुर (छ.ग.) को क्रय करने का पक्का सौदा किया जा चुका है। केवल विक्रय पत्र पंजीयन की प्रक्रिया शेष है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के स्वत्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, शासकीय, अर्धशासकीय विभागो, बैंक, वित्तीय संस्थाओं एवं निकायों को किसी भी प्रकार का उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन से 15 (पंद्रह) दिनों के अंदर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज में नीचे लिखे पते पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर देवें, बाद म्याद हमारे पक्षकार द्वारा सदस्य के पक्ष में विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जायेगा। तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध एवं शून्य होने से हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं रहेगी।

सो सूचना जाने।
स्थान- रायपुर
दिनांक-28/02/26

भवदीय-
दिनेश साहू अधिवक्ता
पता- जिला एवं सत्र न्यायालय नोटरी हॉल 2, रूम नं. 111, रायपुर (छ. ग.)
मो. नं.- 8959326799

बिजनेस साइट

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर बालको मेडिकल सेंटर में मौखिक कैंसर जांच शिविर

रायपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर बालको मेडिकल सेंटर द्वारा विशेष मौखिक कैंसर जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और मुख कैंसर की समय पर पहचान को बढ़ावा देना था। बालको मेडिकल सेंटर की मेडिकल डायरेक्टर एवं वरिष्ठ मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख कैंसर के मामलों का प्रमुख कारण तंबाकू, गुटखा और गुड़ाखू का सेवन है। उन्होंने चिंता जताई कि स्कूली बच्चे भी तंबाकू उत्पादों की लत का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुंह में न भरने वाले घाव, सफेद या लाल धब्बे, गांठ या निगलने में कठिनाई जैसे लक्षण कैंसर के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। डॉ. सिरोही ने कहा कि तंबाकू का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार पर शारीरिक, मानसिक और आर्थिक बोझ डालता है। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और किसी भी संदिग्ध लक्षण पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत बैंक ऑफ इंडिया का मेगा ग्राहक संपर्क कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। बैंक ऑफ इंडिया, रायपुर अंचल द्वारा रायपुर अंचल कार्यालय परिसर में ईसीएलजीएस 5.0 योजना के अंतर्गत मेगा ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शाखाओं से 35 से अधिक उद्यमियों एवं बैंक ग्राहकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आंचलिक प्रबंधक विनय नागराज उपकारी, उप आंचलिक प्रबंधक सुदीप नियोगी, साख विभाग प्रमुख मनीष कंकर, एसएमईसीसी रायपुर प्रमुख सोनू कुमार सहित सभी शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे। आंचलिक प्रबंधक ने ईसीएलजीएस 5.0 योजना की विशेषताओं, पात्रता और लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहे व्यवसायों को आवश्यक सहायता प्रदान कर उनके विकास को गति देगी। इस दौरान 35 से अधिक लाभार्थियों को लगभग 50 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में बैंक की ग्राहक-केंद्रित सेवाओं और उद्यमियों को निरंतर सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्रीमती किरण जाधव पति श्री भूपेंद्र जाधव निवासी- आदर्श आदिवासी कॉलोनी, कुशालपुर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 940/16 का भाग रकबा 1250 वर्गफुट जो वाके मौजा- भाठागांव वार्ड क्र. 61, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड प.ह.नं.- 60 रा.नि.मं.- रायपुर-13-भाठागांव तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि को विक्रेता / भूमि स्वामी - श्री संजीव चक्रधारी पिता- श्री कतवारू लाल चक्रधारी निवासी- कैलाशपुरी, रायपुर छ.ग. से क्रय करने का इकरार नामा कर बयाना अग्रिम राशि विक्रेता को अदा कर दिये है। बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस पश्चात मेरे पक्षकार अपने नाम या अपने द्वारा नामित व्यक्ति के नाम बैनामा पंजीयन करायेगें।

उक्त संव्यहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तिय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करें बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी।

सो सूचना जाने
रायपुर छ.ग.
दिनांक 01/06/2026

भवदीय
श्री कुणाल फरिकार (अधिवक्ता)
निवासी-कंकाली पारा रामचंद्र मंदिर के पास, रायपुर छ.ग.
मो. 9826674118

चंदखुरी में बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का शुभारंभ

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने ग्राहकों को बेहतर एवं आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चंदखुरी में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया। शाखा का उद्घाटन राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के निदेशक एवं आईपीएस अधिकारी अजय कुमार यादव तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख दिवाकर पी. सिंह ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय प्रबंधक राज बीर सिंह, उप क्षेत्रीय प्रबंधक अंकित जायसवाल सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राहक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने शाखा का अवलोकन कर बैंक द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बैंक ऑफ बड़ौदा के वित्तीय समावेशन और जनसामान्य तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नई शाखा के संचालन से क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों और उद्यमियों को बैंकिंग सेवाएं अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक रूप से मिल सकेंगी।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

दहशत का अंधेरा हटा तो गोगुण्डा के ग्रामीणों को मिली स्वास्थ्य की रोशनी

रायपुर। सुकमा जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से सुकमा जिले के सुदूर और नक्सल प्रभावित रहे गोगुण्डा गांव में उम्मीद का एक नया सवेरा हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सुकमा ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गोगुण्डा के 10 मोतियाबिंद मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीमें खुद दुर्गम गांवों में पहुंचकर घर-घर सर्वे कर रही हैं और मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान कर रही हैं। इसके बाद, मरीजों को पूरे सम्मान के साथ विशेष वाहनों से जिला चिकित्सालय लाया जाता है, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका निःशुल्क इलाज होता है। ऑपरेशन के बाद भी मरीजों को डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाता है और पूरी तरह स्वस्थ होने पर रविवार को उन्हें सकुशल उनके घरों तक वापस पहुँचाया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि कभी विकास की मुख्यधारा से कटे इन सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं का यह विस्तार सुकमा की बदलती तस्वीर को बयां करता है। नक्सल गतिविधियों में आई भारी कमी के बाद, अब शासन की कल्याणकारी योजनाएं और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सीधे गांव-गांव तक बिना किसी बाधा के पहुँच रही हैं।

प्रोजेक्ट दधीचि को सम्मान, लोगों ने लिया अंगदान का संकल्प

रायपुर। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका ने जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'प्रोजेक्ट दधीचि' के लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें अंगदान एवं देहदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करने के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अंगदान और देहदान का संकल्प लेने वाले रायपुर शहर के ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डा. पंकज किशोर सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया। इस दौरान राज्यपाल डेका ने कहा कि "अंगदान महादान है। इसके माध्यम से किसी व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। इस पहल के तहत अब तक 86 व्यक्तियों ने अंगदान एवं देहदान के लिए सहमति प्रदान की है, जिनमें 65 व्यक्तियों ने पूर्ण देहदान तथा 21 व्यक्तियों ने अंगदान का संकल्प लिया है।

चाकू की नोक पर तीन बदमाशों ने युवक को लूटा

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात बाइक सवार तीन बदमाशों ने चाकू की नोक पर एक युवक के साथ लूट की। बदमाशों ने युवक को जान से मारने की धमकी देकर उसकी जेब से नकदी 12 हजार रुपए तथा बाइक लूटा और मौके से फरार हो गए। युवक अपने दोस्त के घर खाना छोड़ने गया था। तब बदमाशों ने उसके साथ लूट की। एक निजी कंपनी में सेल्समैन का काम करने वाले कांकेर, पखांजूर निवासी सुमन मांझी ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। सुमन ने पुलिस को बताया कि घटना दिनांक को वह अपने दोस्त अप्पू सरकार के घर खाना छोड़ने के लिये अपने परिचित पवन साहू की बाइक सीजी 12 एवाय 6435 को लेकर कमल विहार स्थित वेलफेयर सोसाइटी के सेक्टर 04 जा रहा था। रात्रि एक बजे स्कूटी सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उसकी बाइक रोकी। इसके बाद दो लड़कों ने अपनी जेब से चाकू निकालकर उसे धमकाते हुये पैसों की मांग की। विरोध करने पर बदमाशों ने उसे जान से मार देने की धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट की और जेब से पर्स निकाल लिया।

जूडा एसोसिएशन का हुआ पांच कालेजों में विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में होगा सुधार का प्रयास

अब तक जेएनएम मेडिकल कालेज तक सीमित जूनियर डाक्टर एसोसिएशन का विस्तार प्रदेश के पांच शासकीय कालेजों में कर दिया गया है। जूनियर डाक्टर अन्य स्वास्थ्य संगठनों के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का प्रयास करेंगे। पीजी कोर्स का संचालन करने वाले पांच मेडिकल कालेज में नियुक्त पदाधिकारियों को रायपुर मेडिकल कालेज में आयोजित लाइव कॉन्सर्ट एवं डीजे नाइट कार्यक्रम के दौरान शपथ दिलाई गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अब तक जूनियर डाक्टर एसोसिएशन की सक्रियता रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज में थी। इसकी एकमात्र वजह पीजी पाठ्यक्रम का संचालन और सबसे ज्यादा सीटों का यहीं होना था। पिछले कुछ सालों से अंबिकापुर सहित अन्य कालेजों में विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का संचालन शुरू हुआ। वर्तमान में पांच शासकीय मेडिकल कालेज में पीजी की पढ़ाई कराई जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए जूडा एसोसिएशन का विस्तार रायपुर के अलावा अन्य चार शासकीय मेडिकल कालेजों में किया गया है। बनाए गए पदाधिकारियों को शनिवार को रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में शपथ दिलाई गई है। इसका अलावा राज्य स्तर पर भी जूनियर डाक्टर एसोसिएशन का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष डा. रेशम सिंह को बनाया गया है। सूत्रों का कहना है कि मजबूत संगठन के माध्यम जूडा शासन-प्रशासन के सामने अपनी मांगों को रख पाएंगे। इसके अलावा उनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की विसंगति को दूर कर सुविधाओं में विस्तार का प्रयास किया जाएगा।

लाइव कॉन्सर्ट एवं डीजे नाइट कार्यक्रम के बीच राजधानी में हुआ शपथ ग्रहण

डीजे नाइट में शामिल हुए डाक्टर

शासकीय मेडिकल कालेज में आयोजित जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन नाइट में प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के जूनियर चिकित्सकों, रेजिडेंट डॉक्टरों एवं पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रेशम सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन के प्रति निष्ठा, चिकित्सकों के अधिकारों की रक्षा, चिकित्सा शिक्षा के उत्थान तथा जनहित में कार्य करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर आयोजित लाइव कॉन्सर्ट एवं डीजे नाइट कार्यक्रम आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

संगठनात्मक एकता को मजबूती मिलेगी

जूडा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा. रेशम सिंह ने कहा कि सभी कॉलेजों में जेडीए की सशक्त इकाइयों के गठन से संगठनात्मक एकता को नई मजबूती मिलेगी। इसके बाद चिकित्सकों से जुड़े मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से शासन एवं प्रशासन के समक्ष रखा जा सकेगा। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और चिकित्सा शिक्षा के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

वाहनों की बुकिंग के बाद थोड़ा लंबा इंतजार

पेट्रोल की बढ़ती कीमत से ई-वाहनों की डिमांड में 30 फीसदी का इजाफा

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल संकट और इसके बढ़ते दाम के कारण अब प्रदेश में ई वाहनों का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते एक माह में ही 30 फीसदी डिमांड बढ़ गई है। लोग जहां मिल रहा है, वहां ई-वाहन खरीद भी रहे हैं, लेकिन इसकी सप्लाई कम होने के कारण ये वाहन तत्काल नहीं मिल पा रहे हैं। इसके लिए बुकिंग के बाद थोड़ा इंतजार करना पड़ रहा है। कारोबारियों के मुताबिक ई-वाहन बनाने वाली कंपनियों ने भी उत्पादन बढ़ा दिया है, लेकिन अचानक ज्यादा उत्पादन नहीं हो सकता। इसके लिए कम से कम छह माह का समय लगेगा। आने वाले समय में ई-वाहनों की बिक्री में 50 फीसदी से ज्यादा का उछाल आने की संभावना है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बीते माह जब पेट्रोल संकट के कारण राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों में लंबी लाइनें लगीं तो लोगों को इस बात का अहसास हुआ कि आने वाले समय में पेट्रोल का संकट और बढ़ा तो क्या होगा। ऐसे में लोगों ने इसके विकल्प के रूप में ई-वाहनों की तरफ जाना प्रारंभ किया है। ई-वाहनों की जानकारी लेने वालों की संख्या में अचानक से भारी इजाफा हुआ है। पहले जहां 20 फीसदी ही इसकी जानकारी लेते थे, वहीं अब 70 से 80 फीसदी इसकी जानकारी ले रहे हैं।

डिमांड में भारी इजाफा

अचानक से रायपुर सहित प्रदेश में ई-वाहन बेचने वालों आटोमोबाइल कारोबारियों के यहां ई-वाहनों की डिमांड में 30 फीसदी तक का इजाफा हो गया है। ज्यादातर डिमांड दुपहिया वाहनों की है। इसी के साथ कारों की डिमांड में भी इजाफा हुआ है। लेकिन कारों की डिमांड ज्यादा नहीं बढ़ी है। कारोबारियों के मुताबिक ई-वाहन ज्यादा नहीं बिकते हैं इसलिए कारोबारी इसको कम मंगाते हैं। लेकिन अब डिमांड ज्यादा होने पर ज्यादा मंगाने का काम किया जा रहा है, लेकिन उत्पादक कंपनियों के पास भी अपनी क्षमता है। अचानक से कोई भी कंपनी ज्यादा वाहन नहीं दे सकती है। दस फीसदी तक ज्यादा वाहन जरूर मिल सकते हैं, लेकिन 30 फीसदी ज्यादा डिमांड को तत्काल पूरा करना संभव नहीं है। ऐसे में इसके लिए अभी थोड़ा समय लगेगा।

डिमांड में भारी इजाफा

प्रदेश में ई-वाहनों की मांग में 30 फीसदी का इजाफा हो गया है, लेकिन इसकी तत्काल पूर्ति संभव नहीं है। जिनके पास जितने वाहन हैं, वो तत्काल दे रहे हैं। बाकी बुकिंग लेकर मंगाकर वाहन दिए जा रहे हैं।

विवेक गर्ग, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ फाडा

40 हजार वाहन बिक रहे हर साल

प्रदेश में बीते पांच सालों में ई-वाहनों की ब्रिकी में बड़ा बूम आया है। पांच साल पहले की बात करें तो प्रदेश में 2021-22 में महज साढ़े छह हजार वाहन बिके थे। लेकिन 2022-23 में इसमें करीब पांच गुना इजाफा हुआ और करीब तीस हजार वाहन बिके। अब यह आंकड़ा 40 हजार के पार हो गया है। ऑटोमोबाइल कारोबारियों के मुताबिक प्रदेश में हर माह तीन से चार हजार वाहन बिक रहे हैं।

इसमें सबसे ज्यादा दुपहिया वाहन हैं। जहां तक कारों का सवाल है तो इसका आंकड़ा कम है। कारें हर माह दो से तीन सौ के आस-पास ही बिक रही हैं। इनकी कीमत ज्यादा होने के कारण इसका क्रेज कुछ कम हैं। कुल मिलाकर साल भर में 35 से 37 हजार दुपहिया और तीन से चार हजार कारें बिक रही हैं। इसके अलावा 14 से 15 हजार ई-रिक्शा भी बिक रहे हैं।

नगरीय निकायों में 84.58 पंचायतों में 78.61% मतदान

- नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम व उप चुनाव में मतदान शांतिपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम व उप-चुनाव के अंतर्गत मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 5 तथा पार्षद के 71 पदों के चुनाव के लिए बनाए गए 96 मतदान केन्द्रों में कुल 31928 मतदाताओं में से 27006 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

त्रि-स्तरीय पंचायत में जनपद सदस्य के 10, सरपंच के 34, तथा वार्ड पंच के 107 पदों के निर्वाचन के लिए बनाए गए 274 मतदान केन्द्रों में कुल 102797 मतदाताओं में से 79968 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। आयोग से प्राप्त जानकारी अनुसार नगरीय निकायों में मतदान के लिए शाम 5 बजे तक तथा त्रि-स्तरीय पंचायतों में मतदान समय दोपहर 3 बजे तक निर्धारित था। जिला निर्वाचन अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नगरीय निकाय में 84.58 प्रतिशत तथा त्रि-स्तरीय पंचायत में 78.61 प्रतिशत मतदान हुआ है।

4 को मतगणना

नगरीय निकायों के मतो की गणना 4 जून को निर्धारित 13 मतगणना स्थल पर की जावेगी जिसके लिए 395 अधिकारियों- कर्मचारियों कि ड्यूटी लगाई गई है। त्रि-स्तरीय पंचायतों के मतदान, मतपेटी के माध्यम से कराए गये है। त्रि-स्तरीय पंचायतों मे मतदान पश्चात सामान्य स्थिति में मतगणना भी मौके पर संपन्न हुआ, जिनके सारणीकरण एवं परिणाम की घोषणा उसी दिन किया जायेगा।

आयोग ने जताया आभार

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया कि किसी भी क्षेत्र में मतदान के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होने की कोई सूचना प्राप्त नही हुई है, मतदान शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। निर्वाचन सफलतापूर्वक संपन्न होने पर आयोग द्वारा सभी अधिकारी/ कर्मचारयों, पुलिस, राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों एवं मतदाताओ के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बिजली की समस्या को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जनता व वरिष्ठ जनों के साथ विकास पहुंचे कलेक्टोरेट कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने राजधानी रायपुर में बिजली की समस्या को लेकर सोमवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा, राजधानी रायपुर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ में अघोषित बिजली कटौती, लो वोल्टेज, ट्रांसफार्मर फेल और महंगी बिजली बिल की समस्या चरम पर पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि रायपुर पश्चिम की जनता अपने क्षेत्रीय विधायक से भी परेशान हो चुकी है, क्योंकि वे जनहित में कार्य करना ही नहीं चाह रहे। क्षेत्रवासी उनके पास बार-बार गुहार लगाते हैं, अनसुनी कर दी जाती है। इसे लेकर आमजन और वरिष्ठजनों के साथ विद्युत समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उपाध्याय ने कहा कि राजधानी रायपुर में गुढ़ियारी का क्षेत्रफल घनी आबादी वाला है। जहां बिजली की समस्या सबसे अधिक है, इसी कारण यहां पूर्व की कांग्रेस सरकार में विद्युत विभाग को सब स्टेशन हेतु फण्ड जारी हुआ था। जगह नहीं मिलने के कारण काफी समय से यह कार्य अधूरा है। उपाध्याय ने इस क्षेत्र की बिजली समस्या का तत्काल निराकरण करने कलेक्टर को सुझाव भी दिये। उन्होंने कहा, लगातार बिजली विभाग द्वारा मिल रही समस्याओं का निराकरण शीघ्र अतिशीघ्र नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी चरणबद्ध तरीके से आंदोलन का रास्ता अपनायेगी।

विंध्य नगर में चार ब्लाक में अवैध निर्माण, जेसीबी मशीन से ढहाया

नगर निगम जोन 1 के यतियतन लाल वार्ड का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम जोन 1 कमिश्नरी ने सोमवार को यतियतन लाल वार्ड के विंध्य नगर में 4 ब्लाक के अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन से तोड़ गिराया। नगर निवेश की टीम ने जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गदर्शन में अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही की।

जोन 1 क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 4 के विंध्य नगर में 4 ब्लाक में अवैध निर्माण कर्ताओं को अवैध निर्माण हटाने नियम अनुसार नोटिस देने के बाद भी इसकी अनदेखी करने पर अवैध निर्माण प्रकरण में जोन 1 कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख की उपस्थिति में अवैध निर्माण करने वाले निर्माणकर्ता उषा मिश्रा, देवचंद मिश्रा, रानी मिश्रा द्वारा किए गए अवैध 4 ब्लाक निर्माण को जेसीबी मशीन से तोड़ा गया। जोन कमिश्नर का कहना है यह कार्यवाही नियम अनुसार प्रक्रिया के तहत की गई है।

पहलवान वाटिका में 2 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग को निगम ने तोड़ा

नगर निगम जोन 6 स्थित पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड के हनुमान वाटिका अंतर्गत पहलवान वाटिका में 2 एकड़ जमीन पर चल रहे अवैध प्लाटिंग की वार्ड पार्षद रवि सोनकर द्वारा की गई शिकायत पर जोन 6 अमले ने संज्ञान लेते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई की। जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव ने बताया कि पहलवान वाटिका में अवैध प्लाटिंग की शिकायत मिली थी, जेसीबी मशीन से अवैध प्लाटिंग को हटाया गया।

49 अपराधों में शामिल बदमाश पुलिस की अनुशंसा पर जिलाबदर

जिस बदमाश को तड़ीपार किया गया वो गोबरा नवापारा का रहने वाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ग्रामीण पुलिस की अनुशंसा पर जिला दंडाधिकारी ने गोबरा नवापारा के आदतन बदमाश आशुतोष उर्फ छोटू भाण्डूलकर के खिलाफ जिला बदर करने आदेश जारी किया है। जिला दंडाधिकारी गौरव सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आदेश जारी कर बदमाश को रायपुर सहित छह जिलों की सीमाओं से बाहर रहने के निर्देश दिए हैं। उस पर 49 मामले दर्ज हैं।

जारी आदेश के अनुसार आदेश जारी होने के सात दिनों के भीतर आशुतोष को रायपुर, दुर्ग, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर जाने के लिए कहा गया है। साथ ही उसे आगामी छह माह, 25 नवंबर 2026 तक इन जिलों की सीमा में बिना सक्षम न्यायालय अथवा सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हत्या जैसे अपराध में शामिल रहा है बदमाश

पुलिस अफसरों के अनुसार आशुतोष भाण्डूलकर लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कुल 49 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, बलवा, लूट, अपहरण, दुष्कर्म, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, जुआ अधिनियम, आबकारी अधिनियम सहित अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं।

कलेक्टोरेट परिसर में टूटे-फूटे सड़े बांस के बम्बू तोड़े गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट परिसर में आम लोगों के लिए बनाए गए बांस के कई बम्बू कई साल पुराने होने के कारण टूट फूट गए एवं सड़ गए हैं, जिसके कारण अब वे लोगों के लिए खतरा बन चुके थे। अब ऐसे बम्बू को तोड़कर उनकी जगह नए बम्बू बनाने का काम शुरू हो गया है। इसके लिए जिला प्रशासन ने बस्तर से कारीगर भी मंगाए हैं। बारिश सीजन के आगमन को देखते हुए ये कारीगर तेज गति से बम्बू बनाने के काम में जुटे हुए हैं।

बनाए जा रहे नए

हर दिन सैकड़ों लोगों को देते हैं गर्मी से राहत

बांस के ये बम्बू लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए हैं। कलेक्टोरेट परिसर में लगभग एक दर्जन स्थानों पर बनाए गए बम्बू में कुछ बम्बू को बने कई साल हो चुके हैं। बारिश और तेज धूप के कारण बम्बू सड़कर टूट-फूट चुके हैं, जिससे इनकी छत कभी भी गिर सकती है। किसी प्रकार का हादसा न हो तथा लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर अब खतरनाक हो चुके बम्बू को तोड़कर उनकी जगह नए बम्बू का निर्माण कराया जा रहा है। इन बम्बू के निर्माण के लिए बस्तर से कारीगरों की टीम बुलाई गई है।

एक ही तिथि में डीएलएड-पीएससी परीक्षाएं तारीख बदलने की मांग कर रहे छात्र बेहोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग और माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षाएं एक ही तिथि पर 8 जून को होने के कारण अभ्यर्थियों का एक वर्ग परेशानी में है। इसे देखते हुए एनएसयूआई ने सोमवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय का घेराव कर तारीख बदलने की मांग की। तेज गर्मी और झूलसाने वाली धूप में हो रहे प्रदर्शन के दौरान एक छात्र बेहोश भी हो गया। प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इसके बावजूद छात्रों का आक्रोश कम नहीं हुआ और वे अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन स्थल पर डटे रहे। डीएलएड परीक्षाओं का आयोजन माशिम द्वारा कराया जाता है। छात्रों ने मंडल से डीएलएड तिथियां बदलने की मांग की है।

अब तक समाधान नहीं

एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि डीएलएड परीक्षा एवं सीजी पीएससी मुख्य परीक्षा की तिथियों के टकराव के कारण प्रदेश के सैकड़ों छात्र-छात्राओं का भविष्य संकट में पड़ गया है। एक ओर विद्यार्थी वर्षों की मेहनत से पीएससी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं, वहीं दूसरी ओर डीएलएड की परीक्षा भी उनके शैक्षणिक भविष्य से जुड़ी हुई है। ऐसी स्थिति में अभ्यर्थियों को किसी एक परीक्षा का त्याग करने के लिए मजबूर करना पूर्णतः छात्र विरोधी निर्णय है। छात्रों द्वारा लगातार अपनी समस्या प्रशासन के समक्ष रखने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिला उपाध्यक्ष तारिक अनवर खान के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, जिलाध्यक्ष शांतनु झा भी छात्रों को समर्थन देने पहुंचे रहे। संस्कार पांडेय, आशीष बाजपाई, मोहम्मद जिशन, शत्रुंजय शुक्ला, खुशराज ढिल्लन, कपिल डांडे एवं अन्य एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्रावास में जम गई काई-फफूंद, खिड़कियां टूटीं

पत्रकारिता विवि में अव्यवस्थाओं का सामना कर रहे छात्रों का गुस्सा आखिरकार सोमवार को फूट पड़ा। छात्र अपनी मांग लेकर प्रशासनिक भवन पहुंचे, जहां उन्होंने हॉस्टल में व्याप्त समस्याओं से प्रबंधन को रूबरू कराया। छात्रों का कहना है कि हॉस्टल के भूतल और प्रथम तल तक स्थित लगभग 30 कमरों में से अधिकतर कमरे रहने योग्य नहीं हैं। कई कमरों की खिड़कियां टूटी हुई हैं, दीवारों में सीलन है, पेंट उखड़ चुका है तथा काई और फफूंदी जम गई है। इसके अलावा कई कमरों को स्टोर रूम बनाकर उनमें कबाड़ भर दिया गया है, जिससे छात्रों को आवास संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परिसर में ही स्थित बालक छात्रावास की जर्जर स्थिति के कारण पढ़ाई प्रभावित होने की बात छात्रों ने कही। उनका कहना है कि अव्यवस्थाओं के मध्य परीक्षाओं की तैयारी कर पाना उनके लिए जटिल साबित हो रहा है।

हरिभूमि
रायपुर, मंगलवार 2 जून 2026
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

बेलनाकार स्टाइलिश कैप्सूल और ...

एजुकेशन अलर्ट

कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर आवेदन शुरू, अंतिम तिथि 20 जून तक

रायपुर। सशस्त्र सीमा बल में कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जो उम्मीदवार कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर नौकरी करना चाहते हैं। उनके लिए यह एक सुनहरा मौका है। बता दें, एसएसबी में कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर भर्ती ऑफलाइन माध्यम में की जाएगी। कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित की गई है। कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर कुल 50 उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसमें जनरल केटेगरी के उम्मीदवारों के लिए कुल 38 पद, एससी के लिए कुल 8 पद और एसटी के लिए कुल 4 पद आरक्षित किए गए हैं।

ये अभ्यार्थी कर सकते हैं आवेदन

एसएसबी में कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 35 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी।एसएसबी में कॉन्स्टेबल जीडी के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को 1 जनवरी, 2026 तक एसएसबी में न्यूनतम 3 वर्षों का कार्यानुभव होना चाहिए।

इस तरह होगा चयन

उम्मीदवारों का चयन फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट, फिजिकल एन्ड्योरेंस टेस्ट, लिखित परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन, विस्तृत चिकित्सा परीक्षण, समीक्षा चिकित्सा परीक्षण के आधार पर किया जाएगा। लिखित परीक्षा में उम्मीदवारों से 100 अंकों के 100 बहुविकल्पीय प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। परीक्षा में उम्मीदवारों से सामान्य जागरूकता, गणित, एनालिटिकल एप्टीट्यूड आदि विषयों से सवाल पूछे जाएंगे। इस परीक्षा में पास होने के लिए जनरल उम्मीदवारों को 35 प्रतिशत अंक और एससी एवं एसटी व ओबीसी उम्मीदवारों को 33 प्रतिशत अंत प्राप्त करना अनिवार्य है।

● ईंधन, पर्यावरण और स्वास्थ्य संवर्धन को लेकर हर आयुवर्ग के लोग अपना रहे साइकिल राइडिंग

5 साल के बच्चे से लेकर 60 साल के बुजुर्ग तक फिट रहने का जागा जुनून, आउटडोर साइकिलिंग का चलन बढ़ा

शहरी जीवन की दैनिक दिनचर्या में घटती फिजिकल एक्टिविटीज के चलते सेहत को लेकर सभी फिक्रमंद हैं। ऐसे में पहले खुद को सेहतमंद बनाने सिटी के कुछ प्रोफेशनल व कामकाजी व्यक्तियों ने साइकिलिंग राइडर ग्रुप बनाया है। राइडर ग्रुप के सदस्य रोजाना तड़के 5 बजे से शहर के आसपास 30 किमी दूरी तक आउटडोर साइकिलिंग पर निकल जाते हैं। सेहत को लेकर फिक्रमंद साइकिलिंग राइडर ग्रुप के सदस्य 7.30 बजे तक लौट आते हैं, उसके बाद दिनभर फिट व तरोताजा होकर अपने कामकाज में लग जाते हैं।

61 साल के उम्र में 40 किमी रोज साइकिलिंग

साइकिलिंग ग्रुप के सदस्य इम्तियाज का कहना है कि वे 61 वर्ष के हैं और रोजाना 30 से 40 किमी तक अर्ली मॉर्निंग आउटडोर साइकिलिंग पर निकलते हैं। वे 2021 से फिट रहने साइकिल चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह एक निजी स्कूल में गणित संकाय के टीचर हैं। प्रोफेशनल तौर पर फिजिकली व मेंटली फिट रहने में साइकिलिंग काफी अच्छा व्यायाम साबित हुई है।

रायपुर। ग्रुप का नाम छत्तीसगढ़ राइडर क्लब रखा गया है। इसकी सदस्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी अनुपमा तिवारी बताती हैं कि वे 2014 से रोजाना सुबह 30 किमी तक आउटडोर साइकिलिंग कर रही हैं, वे अभी 57 वर्ष की हैं, वे बाजार, ऑफिस भी साइकिल से चली जाती हैं। साइकिलिंग कर उनका इम्युनिटी सिस्टम, मसल पॉवर मजबूत हुआ है। वे हमेशा खुद को फिट और तरोताजा महसूस करती हैं। उन्होंने आगे बताया कि वे पहले अकेले या एक-दो दोस्तों के साथ साइकिलिंग करती थीं, लेकिन 2020-21 के बाद सोसायटी के बहुत सारे प्रोफेशनल्स व कामकाजी साइकिलिंग को लेकर जुड़ने लगे। तब हमारे ग्रुप के सदस्य घनश्याम रोहरा ने छत्तीसगढ़ राइडर क्लब बनाया। इस ग्रुप में प्रोफेशनल्स, सीनियर सिटीजन, युवा, महिलाएं, बच्चे सभी वर्ग के 20 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जो लगातार साइकिलिंग कर खुद को सेहतमंद और पर्यावरण को भी प्रदूषण से बचाने का काम कर रहे हैं। आज विश्व साइकिल दिवस पर ऐसे ही साइकिलिंग से सेहत बना रहे लोगों की आगे चर्चा कर रहे हैं।

विश्व साइकिल दिवस आज

पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी साइकिल की बिक्री

साइकिल कारोबारी शहंशाह हुसैन ने बताया कि पिछले 28 सालों से संतोषी नगर रोड पर साइकिल का कारोबार कर रहा हूं। कोरोना आने से पहले तक साइकिल का व्यापार एकदम से घट गया था। छोटे बच्चों की टॉय साइकिल ही बिकती थी, बड़ों की साइकिल दिनभर में एक-दो ही बिक पाती थीं, कामकाजी व स्पोर्ट्स से जुड़े लोग ही साइकिल खरीदने आते थे, लेकिन 2021 के बाद से साइकिल का कारोबार बढ़ गया है, सिर्फ 10 वर्ष से 40 वर्ष पार के लोग बड़ी संख्या में साइकिल खरीद रहे हैं। वर्तमान में रोजाना 10 से 15 साइकिलें बेच रहा हूं।

8 साल से साइकिलिंग, एकदम फिट

शहर के साइकिल राइडर विनय का कहना है कि उनकी उम्र 50 साल है और वर्ष 2018 से रोजाना अर्ली मार्निंग 5 बजे आउटडोर साइकिलिंग करते आ रहे हैं। पिछले 8 सालों से साइकिल चलाकर मालूम पड़ा है कि मेरा इम्युनिटी सिस्टम बूस्ट हुआ है, साथ ही मसल पॉवर बढ़ा है। वहीं बीपी, शुगर सभी कंट्रोल में है। इसके अलावा साइकिल चलाने का ही असर रहा कि कोरोनाकाल में मुझे और मेरे साथ ग्रुप साइकिलिंग करने वाले एक भी व्यक्ति को कोरोना बीमारी छू भी नहीं पाई।

हृदय और स्वास्थ्य को बनाता है बेहतर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि साइकिलिंग बेहतर व्यायाम है, जो हृदय और स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। वजन घटाने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को भी सकारात्मक रूप से संचालित करने में लाभदायक है।

सिटी इवेंट

अंगदान और देहदान का संकल्प लेने वाले 75 नागरिकों का सम्मान

रायपुर। अंगदान और देहदान का संकल्प लेकर मानवता की सेवा का अनुकरणीय संदेश देने वाले 75 नागरिकों को सोमवार को लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने एसओएस बालिका गृह, माना की बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया। राज्यपाल ने बालिका गृह की बेटियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य हैं। शिक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और कड़े परिश्रम के बल पर जीवन में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बालिकाओं से अपने सपनों को कभी छोटा न समझने और निरंतर सीखते हुए आगे बढ़ने का आव्हान किया।

75 नागरिक और कलेक्टर हुए सम्मानित

कार्यक्रम में राज्यपाल ने अंगदान एवं देहदान का संकल्प लेने वाले 75 नागरिकों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही, रायपुर जिले के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को भी इस पुनीत क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, विधिक सलाहकार सत्यभामा दुबे सहित राजभवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी, अंगदान व देहदान का संकल्प लेने वाले प्रबुद्ध नागरिक, बालिका गृह की बालिकाएं तथा उनके शिक्षक उपस्थित थे।

पुस्तकों से मिलता है स्थायी ज्ञान और आगे बढ़ने का साहस

राज्यपाल ने कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट पर उपलब्ध बहुत-सी जानकारियां समय के साथ बदल जाती हैं, लेकिन पुस्तकों में संचित ज्ञान लंबे समय तक हमारा मार्गदर्शन करता है। उन्होंने बालिकाओं को नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने की सलाह दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने पर्यावरण एवं जलसंकट के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि मानव, पशु एवं प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस संतुलन को कायम रखने में वृक्षों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए पेड़ों को बचाना और व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

संगठन और समाज को सेवा भावना से आगे बढ़ाने राष्ट्रीय स्तर पर 12 समितियों का किया गठन

रायपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक में कई बड़े निर्णय लिए गए हैं। बैठक के दूसरे दिन महाराजा अग्रसेन की वंदना से सत्र का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने इंदौर में हुई बैठक के दौरान संगठन और समाज को सेवा भावना से आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग 12 समितियों का गठन करते हुए संयोजकों का चयन करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री राजेश भारुका, उपाध्यक्ष रमाकांत खेतान, किरण अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र सिंघल सहित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी संयोजकों के चयन पर सहमति दी। बैठक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने सभी से आग्रह किया कि अपना सर्वश्रेष्ठ समाज को दें।

संयोजक समितियों की कार्ययोजना पेश करेंगे

उन्होंने समितियां के गठन की जानकारी सभा को देते हुए बताया कि नियुक्त राष्ट्रीय संयोजक एवं समितियां तय की गई हैं। देशभर से आए प्रतिनिधियों ने विभिन्न समितियों के गठन का स्वागत करते हुए सुझाव और विचार प्रस्तुत किए। सभी समितियों की कार्य योजना एवं भविष्य की गतिविधियों पर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि आगामी राष्ट्रीय बैठक में सभी राष्ट्रीय संयोजक अपनी समितियों की कार्ययोजना पेश करेंगे। इसके बाद दिए गए दायित्व के अनुरुप राष्ट्रीय स्तर पर समाज को मजबूत करने और संगठन के लोगों को भी सहभागिता निभाने और सेवा का अवसर दिया जाएगा। प्रोफेशनल समिति की कमान डॉ. दीपक अग्रवाल और कौशल विकास का दायित्व अशोक बुवानीवाला को मिला है। उद्योग एवं व्यापार अशोक मोदी, महिला एवं युवा प्रशिक्षण शिविर सुनीता अग्रवाल, इतिहास एवं साहित्य समिति सुरेश गर्ग और सीमा अग्रवाल को मिला है।

कृष्ण मित्र ग्रुप ने शुरू की आम, जामुन और पीपल के पौधे रोपने की तैयारी

रायपुर। बरिश की दस्तक से पहले ही कृष्ण मित्र फाउंडेशन ने बैठक में अहम निर्णय लिए हैं। मीटिंग में तय किया है कि निगम प्रशासन और कमिश्नर से मिलकर पर्यावरण संरक्षण को लेकर बनाई गई कार्ययोजना की जानकारी देंगे। साथ ही रेनी सीजन में आम, जामुन और पीपल रोपने की तैयारी शुरू की है। फाउंडेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा रविवार को सरजूबांधा मुक्तिधाम टिकरापारा श्रमदान करते हुए पेड़-पौधों की देखभाल, कटाई-छंटाई और जरूरी साफ-सफाई का काम किया। इसी कड़ी में कोर ग्रुप के सभी सदस्यों की एक संयुक्त मीटिंग हुई। बारिश शुरू होने से पहले परिसर में हरियाली का वातावरण निर्मित करने के लिए इस सीजन में भी श्रमदान से पौधारोपण और उनकी देखभाल करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए तय रूपरेखा के तहत ग्रुप काम करेगा।

पौधों को पानी देने की सुविधा मिल रही

सरजूबांधा स्वर्गद्वार परिसर में वर्षा शुरू होने से पूर्व सघन वृक्षारोपण की तैयारी के संबंध में चर्चा करने के साथ कई निर्णय लिए गए। अंतिम संस्कार के लिए क्षतिग्रस्त शवदाह गृह मरम्मत और निर्माण के लिए चर्चा करके यह तय किया गया कि जल्द महापौर, विधायक, कमिश्नर से मिलकर उन्हें वस्तुस्थिति की जानकारी दी जाएगी। मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों ने मुक्तिधाम परिसर में पाइपलाइन मरम्मत किया गया है। इससे पौधों को पानी देने की सुविधा मिल रही है।

युवाओं में 'स्टडी अब्रॉड' का क्रेज, एक्सपर्ट्स दे रहे सलाह- भेड़चाल के बजाय विषय के आधार पर चुनें सही देश

कार्नर न्यूज

विदेशों में पढ़ाई के लिए युवा कर रहे एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी मेडिकल के लिए इटली तो इंजीनियरिंग के लिए जर्मनी पहली पसंद

रायपुर। राजधानी में इन दिनों विदेशों में पढ़ाई का सपना देख रहे छात्रों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। विदेशी विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए जल्द ही एंट्रेंस एग्जाम शुरू होने वाले हैं, जिसके लिए रायपुर से बड़ी की संख्या में स्टूडेंट्स जमकर तैयारी कर रहे हैं। विदेशी शिक्षा के क्षेत्र में शहर के फॉरेन एजुकेशन एक्सपर्ट श्वेता डाबरानी और शेखर टांक का मानना है कि ग्लोबल करियर बनाने के लिए सबसे जरूरी कदम सही देश और सही विषय का चुनाव करना है। छात्रों को भेड़चाल का हिस्सा बनने के बजाय हमेशा कोर्स और उस देश की खासियत के आधार पर फैसला लेना चाहिए।

एक्सपर्ट्स सलाह दे रहे हैं कि विदेश जाने से पहले वहां की भाषा और लैंग्वेज टेस्ट की पूरी तैयारी कर लेनी चाहिए। अमेरिका, यूके और ऑस्ट्रेलिया के लिए जहां आईईएलटीएस या टॉफेल का स्कोर जरूरी है, वहीं जर्मनी या फ्रांस जाने वाले छात्रों के लिए वहां की स्थानीय भाषा का ज्ञान होना बेहद फायदेमंद साबित होता है। साथ ही विदेशी संस्थानों का चयन करते समय छात्रों और उनके अभिभावकों को उस देश के करेंसी रेट को भी विशेष रूप से ध्यान में रखना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी तरह की आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

इंजीनियरिंग के लिए अमेरिका और जर्मनी की भारी डिमांड

शहर के इंजीनियरिंग छात्रों के बीच अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और यूके सबसे मजबूत दावेदार माने जाते हैं। जर्मनी को मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का वैश्विक क्षेत्र माना जाता है। वहां की म्यूनिख और बर्लिन जैसी सरकारी यूनिवर्सिटीज में फीस न के बराबर है, जिससे यह भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना हुआ है। दूसरी ओर रिसर्च और एडवांस टेक्नोलॉजी में अमेरिका आज भी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, जहां एमआईटी और स्टैनफोर्ड जैसे संस्थानों में पढ़ाई के साथ स्कॉलरशिप के बड़े मौके मिलते हैं। इनोवेशन और पढ़ाई के बाद वहीं सेटल होने के लिहाज से कनाडा सबसे आगे है। टोरंटो जैसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई के बाद छात्रों को आसानी से पोस्ट-स्टडी वर्क परमिट मिल जाता है। इसके अलावा, सिविल, सॉफ्टवेयर और माइनिंग ब्रांच के लिए ऑस्ट्रेलिया का कोई मुकाबला नहीं है, हालांकि यहां पढ़ाई का खर्च डेढ़ से 3 करोड़ रुपए तक आता है।

मेडिकल की पढ़ाई के लिए बेहतरीन विकल्प और नियम

यदि रायपुर के छात्र विदेशों में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहते हैं तो उनके लिए इटली, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, यूके, कजाकिस्तान और रूस जैसे देश टॉप लिस्ट में हैं। वर्तमान में इटली मेडिकल छात्रों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है, जहां अंग्रेजी माध्यम में 6 साल का एमबीबीएस कोर्स उपलब्ध है। हालांकि इसके लिए छात्रों को 'आईमेट' एग्जाम क्लीयर करना अनिवार्य होता है। विदेशों में मेडिकल की पढ़ाई का खर्च 3 लाख रुपए सालाना से लेकर कुल 4 करोड़ रुपए तक जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी और मेलबर्न तथा यूके के ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे शीर्ष संस्थानों में 5 से 6 साल के कोर्स का खर्च 2 से 4 करोड़ रुपए तक आता है। वहीं छात्रों को यह भी ध्यान रखना होगा कि कजाकिस्तान, रूस, नेपाल या चीन से एमबीबीएस करने के बाद वे सीधे भारत में डॉक्टरी नहीं कर सकते। भारत में प्रैक्टिस की पात्रता हासिल करने के लिए पहले फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम पास करना होता है।

सिटी लाइव

11 गुठलियों पर 1 आम उपहार से मिलीं 14 हजार गुठलियां

रायपुर। प्रकृति की ओर सोसायटी द्वारा संचालित 11 गुठलियां लाओ 1 आम पाओ अभियान को आमजनों का भरपूर सहयोग मिला है। इस अभियान के तहत सोसायटी को कुल 14000 आम की गुठलियां मिलीं। इन गुठलियों से 10 जिलों में नर्सरियां तैयार की जाएंगी तथा पौधे विकसित होने के बाद संबंधित जिलों की 10 ग्राम पंचायतों में उनका रोपण एवं संरक्षण किया जाएगा। अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी ने बताया की इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय उद्यानिकी विभाग एवं प्रकृति की ओर सोसायटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव में 11 गुठलियों पर 1 आम उपहार पाओ अभियान चलाया गया। इसमें बड़ी संख्या में हजारों की तादात में लोगों ने गुठलियां देकर आम उपहार में प्राप्त किए।

पर्यावरण प्रेमी संगठन का मिला सहयोग

इस अवसर पर आम महोत्सव में सहयोग देने वाली विभिन्न व्यापारिक एवं सामाजिक संस्थाओं का सम्मान किया गया। साथ ही बेमेतरा से आए पर्यावरण प्रेमी संगठन के संस्थापक विद्याभूषण दुबे एवं उनकी टीम को आम के पौधों की नर्सरी तैयार करने हेतु 1000 गुठलियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में डॉ. विवेक त्रिपाठी संचालक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा मोहन वर्ल्यानी अध्यक्ष प्रकृति की ओर सोसायटी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन एंकर श्वेता ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल चौहान, निर्भय धाड़ीवाल, लक्ष्मी यादव, सर्वत्र सेठी, मनीषा त्रिवेदी, शिल्पी नागपुरे, राम खटवानी, डीके तिवारी, दलजीत बग्गा एवं एसके टांग सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कैंपस लाइव

निशुल्क दंत परीक्षण, तंबाकू के दुष्प्रभावों और मुख कैंसर को लेकर किया जागरूक

रायपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन आईडीए द्वारा सब्जी मंडी में एक निःशुल्क दंत परीक्षण एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाले मुख एवं दंत रोगों के प्रति जागरूक करने और बेहतर मौखिक स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करने के लिए किया गया था। शिविर के दौरान लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों, मुख कैंसर एवं अन्य मौखिक रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों का निशुल्क दंत परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयों के निशुल्क सैंपल वितरित किए गए। क्षेत्र के अनेक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक शिविर में भाग लेकर इसका लाभ उठाया। यह कार्यक्रम आईडीए की अध्यक्ष डॉ. दीप्ति राठौर एवं सचिव डॉ. सायली कुरैशी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में डॉ. सविता कबडवाल, डॉ. हर्षिता, डॉ. नितिन, डॉ. नेहा जैन एवं डॉ. आशीष ने सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के आयोजन में सांसद प्रतिनिधि पप्पू चंद्राकर, सामाजिक कार्यकर्ता और समाज सेविका तेजस्वी सोनवानी वार्ड क्रं 31 के पार्षद शैलेंद्र साहू का सहयोग रहा। इंडियन डेंटल एसोसिएशन दुर्ग-भिलाई द्वारा जनस्वास्थ्य एवं मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

सिटी लाइव

युवा उद्यमियों को मार्गदर्शन देने आज होगा सेमिनार

रायपुर। माहेश्वरी समाज के युवा उद्यमियों एवं व्यापारियों को मार्गदर्शन देने सेमिनार का आयोजन किया गया है। यह आयोजन मंगलवार को शंकर नगर स्थित विमतारा में होगा। आयोजन के बारे में सेमिनार के आयोजक निलेश मुंदड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आरआर केबल के चेयरमैन त्रिभुवन प्रसाद काबरा होंगे। वही अखिल भारतवर्षीय युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या एवं पूर्व युवा राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण सोमानी सहित कमल ऑयल के सुनील मुंदड़ा, आरती ग्रुप के चेयरमैन छगन मुंदडा, श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर गणेश भट्टड़, आनंद इंफ्रास्ट्रक्चर के एमडी चतुर्भुज राठी, इन्लैंड वर्ल्ड लॉजिस्टिक्स के एमडी प्रवीण सोमानी व शुभम पॉलिस्पिन के फाउंडर अनिल सोमानी युवा व्यापारियों को बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हो रही चुनौतियों से निपटने के रास्ते एवं सफल उद्योग संचालित करने हेतु विशेष मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने सदस्यों की टीम में राजीव मुंदडा, अशोक मुंदड़ा, राज बागड़ी, सीए अमित राठी, गौरव दम्मानी, कृष्णा लखोटिया, राकेश सोमानी, ललित सोमानी,रमेश झांवर, ऋषभ चांडक, शरद सारडा,कृतिका नत्थानी, विद्या काबरा, प्रदीप माहेश्वरी, सिद्धांत डागा, देवेश बागड़ी को जिम्मेदारियां बांटी गई है।

व्यापार में सफलता पाने के देंगे टिप्स

कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कुणाल राठी ने बताया कि कार्यक्रम में तकरीबन 300 से अधिक माहेश्वरी युवाओं उद्यमी शामिल होंगे, जहां बड़ी संख्या में महिला उद्यमी भी उपस्थित रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य माहेश्वरी समाज के युवाओं को व्यापार में सफलता प्राप्त करने में मदद करना है एवं कठिनाइयों को बारीकी से समझ उसका हल निकाल अपने ब्रांड को बड़ा बनाना है।

थोक मार्केट और रिटेलर्स के शॉप पर मुंबई-कोलकाता से मंगाए गए प्रोडक्ट की भरमार

बेलनाकार स्टाइलिश कैप्सूल और बॉटल छतरी का क्रेज, रेनी सीजन में फैमिली को भीगने से बचाएगा जंबो गोल्फ छाता

'बरसात का मौसम शुरू होने से पहले ही थोक मार्केट और रिटेलर्स के शॉप पर इस बार भी भीगने से बचाने का साजो-सामान सजने लगा है। मुंबई और कोलकाता से मंगाए गए बेलनाकार स्टाइलिश कैप्सूल और बॉटल की आकृति में छतरी मिलने से लोग खरीदने में ज्यादा रुचि ले रहे हैं। रेनी सीजन में फैमिली के 4 से 6 लोग पैदल कहीं आना-जाना चाहते हैं तो चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं हैं, क्योंकि जंबो गोल्फ छतरी बारिश की फुहारों से बचाने में फैमिली पैकेज की तरह काम आने वाला है।'

रायपुर। मुंबई और कोलकाता से ग्राहकों को आकर्षित करने वाले कैप्सूल छतरी को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। संतोष गुप्ता और विनोद साहू ने बताया कि एक बेहद कॉम्पैक्ट, हल्की और स्टाइलिश छतरी है। यह एक छोटे से कैप्सूल या यूं कहें कि बेलनाकार बॉक्स में पैक होती है। इसका आकार छोटा होने से इसे पर्स या बैग में रखना सुविधाजनक बनाता है। डिजाइन और पोर्टेबिलिटी के लिहाज से इसको मोड़ने पर यह एक छोटी सी कैप्सूल जैसी आकृति में दिखाई देती है। इसे आसानी से अपनी जेब, छोटे बैग या कार के ग्लोब बॉक्स में रखा जा सकता है। खुलने पर सामान्य छतरी जितना बड़ा कवरेज है। इसे वाटरप्रूफ पॉलिएस्टर और नायलॉन से बनाया गया है। जो बारिश के साथ धूप से भी बचाता है। यह यात्रा, कैंपिंग, पैदल चलने या दैनिक उपयोग के लिए एकदम सही है। इसे बंजारी चौक सहित मालवीय रोड, गोलबाजार में 150 से 500 की रेंज में खरीदा जा सकता है। महिलाओं ने ऐसे छात्रों की पूछपरख शुरू की है।

स्लीम, फुल और गोलनेक वाले रेनकोट

रेनकोट में स्लीव, फुल नेक, गोल नेक स्टाइल के साथ ही जिपर प्रिंट को खासतौर से डिजाइन किया गया है। बरसात में इसे पहनने के लिए पुलओवर स्टाइल और आरामदायक भी बनाया गया है। उच्च गुणवत्ता वाले मटेरियल का इस्तेमाल करते हुए महिलाओं और युवाओं के लिए इस प्रोडक्ट को तैयार किया गया है। स्पेशल थीम डिजाइन के साथ 100% प्रीमियम क्वालिटी पैराशूट कपड़े का उपयोग किया गया है। यह टिकाऊ और पहनने में भी आरामदायक होगा। दुकान में सजाने के लिए रिटेलर्स इसे अभी से थोक विक्रेताओं के पास आर्डर कर रहे हैं। इस रेनी सीजन को देखते हुए मार्केट में लोगों की पसंद और जरूरत के अनुरूप प्रोडक्ट की डिमांड भी बढ़ने लगी है।

छाते में आसानी से आ जाएंगे 3-6 लोग

अब परिवार के 4 से 6 लोग भी अगर पैदल कहीं आते-जाते हैं तो उन्हें अलग- अलग छाता लेकर आने-जाने की जरूरत नहीं होगी। इस रेनी सीजन में एक हजार से ढाई हजार की रेंज में फैमिली छाता मिलने लगा है, जो सामान्य छतरी से काफी मजबूत भी बनाया गया है। यह एक बड़ा और चौड़ा छाता है, इसके नीचे 3 से 6 लोग आसानी से आ सकते हैं। यह सामान्य छातों से मजबूत बनाया गया है। 72-इंच के जंबो गोल्फ छाते की बाजार में डिमांड है। कैनोपी वाला यह सबसे बड़ा छाता है, जो 6 लोगों को एक साथ बारिश और धूप से बचाएगा। इसके साथ ही सतरंगी रेनबो छाता भी साइज में काफी बड़ा होने से 3-4 लोगों को भीगने से बचा सकता है।

ट्रैवल फ्रेंडली छतरी की बाजार में भरमार

इस बार बॉटल छतरी को बारिश से बचने के लिए बेहद स्टाइलिश और कॉम्पैक्ट माना जा रहा है, जो बंद होने पर बिल्कुल पानी की बोतल जैसी दिखेगी। यह एक आकर्षक प्लास्टिक या हार्ड केस के अंदर बंद होती है, जिससे इसे बैग में रखना बहुत आसान हो जाता है। बारिश में छतरी का इस्तेमाल करने के बाद इसे गीला ही वापस बोतल के अंदर बंद करके रख सकते हैं। इससे बैग या कार की सीटें गीली नहीं होंगी। इसका कॉम्पैक्ट आकार यात्रा में ले जाने के लिए एकदम सही बनाता है। ट्रैवल फ्रेंडली छतरी की डिमांड कामकाजी महिलाएं ज्यादा कर रही हैं। स्कूल-कॉलेज पैदल आने-जाने वाली छात्राओं में भी इस आकर्षक छतरी को लेकर क्रेज है।

रहें न रहें हम, महका करेंगे.... सदाबहार गीतों से सुरों की देवी सुमन कल्याणपुर को किया याद

रायपुर। कमलादेवी संगीत महाविद्यालय के संगीत-गायन के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस स्वरांजलि कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय संगीत जगत की सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका सुमन कल्याणपुर को विद्यार्थियों ने गायन से श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया। सोमवार शाम 4 बजे गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं संगीत प्रेमियों ने उनके अमर गीतों का गायन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना साहू द्वारा सुमन कल्याणपुर का प्रसिद्ध गीत मेरा प्यार भी तू है, ये बहार भी तू है...की भावपूर्ण प्रस्तुत से किया गया। इसी कड़ी में छात्रा ममता पटेल ने अत्यंत भावपूर्ण ढंग से ना ना करते प्यार तुम्हीं से...गीत गाकर वातावरण को सुरमयी बना दिया। इसी क्रम में अन्य विद्यार्थियों ने भी सुमन के अनेक लोकप्रिय गीत गुनगुनाएं। छात्रा शारदा नाथ ने सुमन कल्याणपुर की अत्यंत प्रसिद्ध रचना रहें ना रहें हम, महका करेंगे.... प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि हिंदी गीतों के साथ-साथ सुमनजी द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं में गाए गए गीतों को भी श्रद्धापूर्वक प्रस्तुत किया गया। उड़िया भाषा में छात्रा सलोनी मुंड ने साथी रे जा कहीं... गीत प्रस्तुत किया, वहीं बंगाली भाषा में छात्रा सोनाली गोलदार ने सुमन कल्याणपुर का लोकप्रिय गीत आमार स्वप्नो देखार दूटी नयन... सुनाकर श्रोताओं की विशेष सराहना प्राप्त की। मराठी गीतों की प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को बहुरंगी बना दिया।

संगीत गुरुओं का मिला साथ

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. दीपक बेडेकर ने सुमन कल्याणपुर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। वहीं मंजूषा बेडेकर भी ऑनलाइन सभा में सम्मिलित हुईं। उन्होंने सुमन कल्याणपुर द्वारा लोकप्रिय दो प्रसिद्ध मराठी भावगीत प्रस्तुत किए। लगभग अनेक विद्यार्थी एवं संगीतप्रेमी इस ऑनलाइन कार्यक्रम में जुड़े। सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने स्वरों के माध्यम से सुमन कल्याणपुर को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बहुमूल्य संगीत योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने अनुभव व्यक्त किया कि सुमन कल्याणपुर केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारतीय फिल्म एवं सुगम संगीत की एक ऐसी अमूल्य धरोहर थीं, जिनकी स्वर-साधना आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

फ्लेवर्स ऑफ दक्षिण फूड फेस्टिवल का आगाज, मिलेगा 5 राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों का प्रामाणिक स्वाद

रायपुर। राजधानीवासियों को अब दक्षिण भारत के विविध और प्रामाणिक व्यंजनों का लुत्फ उठाने का शानदार मौका मिल रहा है। कोर्टयार्ड बाय मैरियट ने दक्षिण भारतीय खानपान की समृद्ध विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से विशेष फूड फेस्टिवल फ्लेवर्स ऑफ दक्षिण का आयोजन किया है। यह जायकेदार फेस्टिवल 29 मई से शुरू हो चुका है और आगामी 7 जून तक होटल के किचन रेस्टोरेंट में प्रतिदिन शाम 7 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस खास फूड फेस्टिवल में मेहमानों को दक्षिण भारत के पांच प्रमुख राज्यों कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के पारंपरिक व्यंजनों का अनूठा स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन में हल्के, पौष्टिक और बेहद स्वादिष्ट व्यंजनों को प्रमुखता दी गई है। मेन्यू में पारंपरिक पेय 'पन्नकम', बटर डोसा और 'आपम विद स्ट्यू' जैसे लोकप्रिय व्यंजन मुख्य आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन लजीज व्यंजनों को दक्षिण भारत के शुद्ध पारंपरिक मसालों, करी पत्ता, नारियल, इमली और दाल के संतुलित उपयोग से तैयार किया जा रहा है, जिसका आनंद फूड प्रेमी लाइव फूड काउंटर्स पर भी ले सकते हैं।

साउथ व्यंजन डोसा और इडली तक ही सीमित नहीं

आयोजन को लेकर कोर्टयार्ड बाय मैरियट रायपुर के शेफ प्रीतम ने बताया कि इस फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य लोगों को दक्षिण भारतीय भोजन की वास्तविक विविधता और प्रामाणिकता से परिचित कराना है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर लोगों के बीच दक्षिण भारतीय भोजन को केवल डोसा और इडली तक ही सीमित समझा जाता है, जबकि इसके स्वाद और व्यंजनों की दुनिया इससे कहीं अधिक व्यापक और समृद्ध है। फूड प्रेमियों के लिए यह फेस्टिवल दक्षिण भारत के असली और पारंपरिक स्वादों का आनंद लेने का अवसर साबित हो रहा है।

संस्कृति विभाग के ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण शिविर के आठवें दिन दिखी प्रशिक्षुओं की गजब गतिविधियां

कार्नर न्यूज

कैनवास पेंटिंग, टेराकोटा, गोदना आर्ट जैसी अद्भुत कलाओं में आकार ले रहीं प्रतिभाएं

रायपुर। संस्कृति विभाग के ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण शिविर के आठवें दिन प्रशिक्षुओं की प्रतिभाएं आकार लेने लगी हैं। कला प्रशिक्षण शिविर में स्कूली बच्चों, युवा एवं बुजुर्गों के अलावा दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। शिविर में प्रतिभा निखारने कला गुरुओं व प्रशिक्षुओं दोनों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। शिविर में 16 विधाओं के कलागुरु प्रशिक्षुओं की प्रतिभाएं निखारने 15 दिन में से 8 दिन दे चुके हैं, यानी प्रशिक्षण का एक पड़ाव पूरा हो चुका है। सोमवार को शिविर में सुबह-शाम दोनों ही पालियों में कलागुरुओं ने प्रतिभागियों को विधाओं की जो बारीकियां सिखा रहे हैं, उसे साकार करते दिखे। महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में हर वर्ग (स्कूली बच्चों सहित कॉलेज के छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं बुजुर्गों) के कलासाधकों को प्रतिभा निखारने का पूरा अवसर मिल रहा है। यहां प्रशिक्षु पिछले 8 दिनों में फाइन आर्ट, स्केचिंग, कैनवास पेंटिंग, जूट शिल्प, मेहंदी आर्ट, गोदना आर्ट, छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी एवं ट्रॉयबल वुडन आर्ट, भरथरी गाथा, लोकनृत्य-गीत, आदिवासी नृत्य एवं गीत, सेंड आर्ट, धान ज्वेलरी एवं ड्राई फ्लॉवर, ढोकरा शिल्प, वाद्ययंत्र एवं मेकिंग, टेराकोटा एवं छत्तीसगढ़ी व्यंजन आदि विधाओं में ख्यातिप्राप्त, पारंगत कलागुरुओं से प्रशिक्षण लेते हुए कला के उस्ताद बनने की ओर बढ़ रहे हैं।

रचनात्मक गतिविधियों से जुड़कर उत्साहित

संस्कृति विभाग द्वारा यह शिविर शहर के स्कूली बच्चों व कलाप्रेमियों के लिए खासतौर पर आयोजित किया गया है, जहां वे गर्मी की छुट्टियों में 15 दिनों तक स्वयं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ रहे हैं। आकार शिविर में प्रतिभागी क्ले से मूर्तियां, गहने, छोटे खिलौने, फूलपॉट, पेन स्टैंड और होम डेकोर की चीजें बनाना सीख रहे हैं। इसके अलावा बोनसाई आर्ट्स, चित्रकारी, एम्ब्रॉयडरी आर्ट्स, नाट्य कला, नाचा, लोक गीत, लोक वाद्य यंत्र, भरथरी जैसे पारंपरिक कला विधाओं में प्रतिभागी हुनरमंद बन रहे हैं।

जापान पेपर कटिंग और पैरा आर्ट अनोखी विधा

कला प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में बच्चे, युवाओं और बुजुर्गों में उत्साह का माहौल है। पारंपरिक शिल्प तथा विविध कलाओं जैसे बांस शिल्प, मधुबनी आर्ट, काष्ठकला, चित्रकला, रजवार भित्ति, गोदना आर्ट, टेरोकोटा, जापान पेपर कटिंग, क्ले आर्ट, पैरा आर्ट आदि में मन लगाकर प्रशिक्षण ले रहे हैं।

ज्योतिष

16 जून से इन राशियों की किस्मत लेगी करवट

ज्योतिष शास्त्र में मंगल नक्षत्र परिवर्तन को एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना माना गया है। साहस, ऊर्जा और आत्मविश्वास के कारक मंगल 16 जून को कृत्तिका नक्षत्र में गोचर करेंगे और 5 जुलाई तक इसी नक्षत्र में संचरण करेंगे। मंगल का कृत्तिका नक्षत्र में गोचर देश-दुनिया के साथ मानव जीवन को भी प्रभावित करेगा। कृत्तिका नक्षत्र के स्वामी सूर्य हैं। सूर्य के नक्षत्र में मंगल का गोचर कई राशियों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। ज्योतिष गणना के अनुसार, मंगल का गोचर मेष समेत 4 राशियों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। इस समय इन भाग्यशाली राशियों को शुभ समाचार की प्राप्ति के साथ आकस्मिक धन लाभ हो सकता है।

यहां जानें मंगल नक्षत्र परिवर्तन की लकी राशियां- **1. मेष राशि-** मंगल का कृत्तिका नक्षत्र परिवर्तन मेष राशि वालों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस समय नौकरी की तलाश करने वालों को प्रमोशन के साथ आय में वृद्धि हो सकती है। आकस्मिक धन लाभ के संकेत हैं। धन का आवक बढ़ेगा, जिससे आर्थिक स्थिरता मिल सकती है। व्यापारिक स्थिति में सुधार हो सकता है। कार्यों में सफलता मिल सकती है।

2. सिंह राशि- सिंह राशि के लिए यह समय व्यावसायिक व आर्थिक तौर पर शुभ परिणाम दिलाने वाला साबित हो सकता है। इस समय पारिवारिक जीवन की समस्याएं सुलझ सकती हैं। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। व्यक्तित्व में निखार आएगा और आय के नए-नए स्रोत बन सकते हैं। कार्यस्थल पर आपको अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

3. वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए यह समय धन का आवक बढ़ा सकता है। इस समय आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रेम-संबंधों में सुधार होगा। विद्यार्थियों के लिए यह समय सफलता दिलाने वाला साबित हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों को अच्छी खबर मिल सकती है। अटके हुए धन की वापसी हो सकती है, जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

4. मीन राशि- मीन राशि के लिए मंगल नक्षत्र गोचर अच्छे बदलाव ला सकता है। इस समय आपको निवेश का अच्छा रिटर्न मिल सकता है। नौकरी व व्यवसाय में सकारात्मक मोड़ आ सकता है। सेहत में सुधार होगा। अपनों का साथ होगा। व्यापारिक विस्तार के संकेत हैं। धन की स्थिति सुदृढ़ होगी और कुछ जातकों को विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है।

मंगल का नक्षत्र गोचर: ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। मंगल ग्रह एक निश्चित समय में राशि या नक्षत्र परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, मंगल का गोचर लोगों के जीवन में नई ऊर्जा, साहस या पराक्रम में बदलाव लाता है।

30 जून तक सूर्य की तरह चमकेगा इन राशियों का भाग्य

जून 2026 का महीना कुछ राशियों के लिए राहत और खुशखबरी लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की चाल को देखते हुए ज्योतिषियों का कहना है कि इस दौरान कई लोगों को करियर, कारोबार और धन के मामलों में अच्छे नतीजे मिल सकते हैं।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के लोगों के लिए जून का महीना अच्छा रह सकता है। लंबे समय से रुके कुछ काम पूरे होने की उम्मीद है। नौकरी करने वालों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार में भी फायदा होने के संकेत हैं। पैसों को लेकर जो चिंता पिछले कुछ समय से चल रही थी, उसमें राहत मिल सकती है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि वालों के लिए यह महीना नई शुरुआत का समय बन सकता है। कामकाज में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। किसी पुराने प्रयास का अच्छा परिणाम मिल सकता है। परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति भी पहले से बेहतर रहने के संकेत हैं। धन लाभ के नए मौके मिलेंगे। इस माह में आपको करियर में भी लाभ होगा।

सिंह राशि – सिंह राशि के लोगों के लिए जून कई अच्छे मौके लेकर आ सकता है। नौकरी में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। अगर आप किसी नए काम की योजना बना रहे हैं तो समय आपके पक्ष में रह सकता है। समाज में मान-सम्मान बढ़ने के भी योग बन रहे हैं। इस माह में आपका प्रेम जीवन भी सुखमय रहेगा।

तुला राशि – तुला राशि वालों को जून में कुछ अच्छी खबरें मिल सकती हैं। करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में भी खुशियों का माहौल बना रह सकता है। किसी पुराने निवेश से फायदा मिलने के संकेत हैं।

मकर राशि – मकर राशि के लोगों के लिए जून का महीना उपलब्धियां दिलाने वाला साबित हो सकता है। कामकाज में सफलता मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में फायदा पहुंचा सकती है। नए काम शुरू करने के लिए भी समय अच्छा माना जा रहा है।

रोजमर्रा की भागदौड़ का सीधा प्रभाव

महिलाओं की सेहत के लिए वरदान हैं ये 5 सुपरफूड्स, शरीर में भर देंगे एनर्जी

जैविक संरचना के लिहाज से महिलाओं की शारीरिक आवश्यकताएं पुरुषों के मुकाबले काफी भिन्न होती हैं। रोजमर्रा की भागदौड़ का सीधा प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। यही वजह है कि आज के समय में अधिकांश महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी, हर वक्त थकान रहना, चक्कर आना और ऊर्जा के स्तर में गिरावट जैसी परेशानियां आम हो चुकी हैं। आहार विशेषज्ञों के अनुसार, सही और संतुलित खानपान के जरिए इन शारीरिक दिक्कतों को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

दही: मजबूत डाइजेशन और फौलादी हड्डियां

दही एक बेहतरीन नेचुरल प्रोबायोटिक है, जो पेट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया (गुड गट बैक्टीरिया) की संख्या को बढ़ाकर पाचन क्रिया को अचूक बनाता है। महिलाओं में अक्सर होने वाली कब्ज और ब्लोटिंग की समस्या को दही काफी हद तक ठीक कर सकता है। साथ ही, कैल्शियम का उच्चतम स्रोत होने के कारण यह बढ़ती उम्र में महिलाओं में होने वाली 'ऑस्टियोपोरोसिस' (हड्डियों का खोखला होना) जैसी बीमारी से सुरक्षा प्रदान करता है।

पालक: एनीमिया के खिलाफ अचूक हथियार

महिलाओं के लिए पालक को हरी सब्जियों का राजा कहना गलत नहीं होगा। इसमें प्रचुर मात्रा में 'आयरन' मौजूद होता है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण कर हीमोग्लोबिन बढ़ाता है और खून की कमी को दूर करता है। इसके अलावा, पालक में पाया जाने वाला फोलिक एसिड, विटामिन-**A** और **C** रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके नियमित सेवन से मांसपेशियों में ऑक्सीजन का प्रवाह सुचारू होता है, जिससे सुस्ती दूर भागती है।

बादाम: दिमाग और त्वचा का रक्षक

बादाम को पोषक तत्वों का पावरहाउस माना जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में गुड फैट्स (हेल्दी फैटी एसिड), विटामिन-**E**, प्रोटीन और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह न केवल मानसिक तनाव को कम कर याददाश्त को दुरुस्त करता है, बल्कि इसमें मौजूद विटामिन-**E** बढ़ती उम्र के असर को थामकर त्वचा में प्राकृतिक चमक पैदा करता है और बालों का झड़ना रोकता है।

चिया सीड्स: हार्मोनल संतुलन का देसी नुस्खा

आकार में बेहद छोटे दिखने वाले चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। महिलाओं के शरीर में हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने में यह बेहद कारगर साबित होते हैं। चूंकि इनमें प्रचुर फाइबर होता है, इसलिए इनके सेवन के बाद पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जो वजन को नियंत्रित रखने और बेवजह की भूख (क्रेविंग) को शांत करने में मददगार है।

खजूर: तुरंत शक्ति देने वाला कुदरती कैप्सूल

खजूर को ऊर्जा का इंस्टेंट कैप्सूल कहा जा सकता है। इसमें ग्लूकोज, सुक्रोज और फ्रक्टोज जैसी प्राकृतिक शर्करा पाई जाती है, जो बिना किसी नुकसान के शरीर को तुरंत स्फूर्ति और ताकत देती है। जिन महिलाओं को अक्सर शाम के वक्त कमजोरी या लो-एनर्जी महसूस होती है, उनके लिए रोजाना दो से तीन खजूर का सेवन करना किसी वरदान से कम नहीं है।

सोने से पहले इन आदतों को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा, आपको मिलेगी गहरी नींद

रात को सोने से पहले की आदतें हमारे पूरे दिन को प्रभावित कर सकती हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपकी नींद गहरी हो तो आपको अपनी शाम की दिनचर्या पर ध्यान देना होगा। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान और प्रभावी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शाम की दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं। इन आदतों से न केवल आपकी नींद बेहतर होगी, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी सुधरेगा।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बनाएं

रात को सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कम करें। टीवी, मोबाइल फोन या कंप्यूटर स्क्रीन पर बिताया समय नींद पर बुरा असर डालता है। इन उपकरणों की नीली रोशनी हमारी आंखों को जगाए रखती है, जिससे हमें नींद नहीं आती। बेहतर होगा कि आप इन उपकरणों को अपने बिस्तर से दूर रखें और सोने कम से कम एक घंटा पहले से इनका उपयोग न करें। इसके बजाय किताब पढ़ना या संगीत सुनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

हल्का खाना खाएं

रात का खाना हल्का और स्वास्थ्यवर्धक होना चाहिए, ताकि पेट पर अधिक दबाव न पड़े। भारी खाना खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे नींद में खलल पड़ता है। बेहतर होगा कि आप रात का खाना कम तेल-मसाले वाला और ताजगी से भरपूर रखें। सलाद, दही या सूप जैसे हल्के विकल्प चुनें। इससे आपका पाचन सही रहेगा और आपको गहरी नींद मिलेगी। इस तरह आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे।

नियमित समय पर सोएं

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे आपका शरीर एक निश्चित समय पर सोने के लिए तैयार हो जाएगा और नींद अच्छी आएगी। नियमित समय पर सोने से आपकी जैविक घड़ी सही रहती है, जिससे आप जल्दी सो जाते हैं और गहरी नींद ले पाते हैं। इससे आपकी ऊर्जा स्तर दिनभर ऊंचा रहता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

ध्यान या साधना करें

सोने से पहले ध्यान या साधना करना आपके मन को शांत करता है और नींद को बेहतर बनाता है। यह आपकी मानसिक शांति के लिए बहुत फायदेमंद होता है। ध्यान करने से आपका मन शांत होता है और आप तनाव मुक्त महसूस करते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता भी बढ़ती है। साधना से आप अपने विचारों को नियंत्रित कर सकते हैं और गहरी नींद ले सकते हैं। यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। रात को सोने से पहले हल्की कसरत करना भी फायदेमंद हो सकता है, जैसे खिंचाव वाली क्रियाएं या योगासन। ये आपकी मांसपेशियों को आराम देते हैं और रक्त संचार सुधरता है, जिससे नींद अच्छी आती है। इस तरह की सरल आदतों को अपनाकर आप अपनी शाम की दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं और गहरी नींद का आनंद ले सकते हैं।

तवे पर बनाएं गोभी के स्वादिष्ट और सेहतमंद आइटम, आसान है रेसिपी

गोभी एक ऐसी सब्जी है, जो हर मौसम में मिलती है और इसे कई तरह से पकाया जा सकता है। तवे पर बनी हुई गोभी न केवल स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसे बनाना भी आसान है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी स्वादिष्ट और सेहतमंद गोभी की विधियां बताएंगे, जिन्हें आप अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल कर सकते हैं। ये विधियां न केवल आपके खाने का स्वाद बढ़ाएंगी, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हैं।

तवे पर मसालेदार आलू और गोभी : आलू और गोभी का मेल हमेशा से ही लोगों को पसंद आता रहा है, अब इसे तवे पर भी बनाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले आलू को उबालकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। फिर एक कढ़ाई में तेल गर्म करें, उसमें जीरा, हींग, अदरक-लहसुन का पेस्ट और अपने पसंदीदा मसालों को डालें। अब इसमें उबले हुए आलू और गोभी के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे धीमी आंच पर पकाएं ताकि सभी सामग्री अच्छे से मिल जाएं। **तवे पर मसालेदार छोले और गोभी:** अगर आप छोले पसंद करते हैं तो तवे पर मसालेदार छोले और

गोभी जरूर आजमाएं। इसके लिए छोले को पहले रातभर भिगोकर रख दें, फिर उसे प्रेशर कुकर में पकाएं। अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें, उसमें जीरा, हींग, अदरक-लहसुन का पेस्ट और अपने पसंदीदा मसालों को डालें। जब छोले नरम हो जाएं तो इसमें कटे हुए टमाटर डालें और थोड़ी देर पकाने दें। अंत में इसमें उबली हुई गोभी डालें और अच्छी तरह मिलाएं।

तवे पर मसालेदार गोभी

तवे पर मसालेदार गोभी बनाने के लिए आपको ताजे गोभी के फूलों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटना होगा। फिर इन टुकड़ों को तेल में जीरा, हींग, अदरक-लहसुन का पेस्ट और अपने पसंदीदा मसालों (जैसे, धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर आदि) के साथ भूनें। जब गोभी नरम हो जाए तो इसमें नींबू का रस और हरी धनिया डालकर इसे गर्मागर्म रोटी या परांठे के साथ परोसें। यह डिश न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

तवे पर पनीर और गोभी का मेल

अगर आप पनीर पसंद करते हैं तो आपके लिए तवे पर पनीर और गोभी का मेल बहुत खास हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले पनीर को छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर एक कढ़ाई में तेल गर्म करके उसमें जीरा, हींग, अदरक-लहसुन का पेस्ट और अपने पसंदीदा मसालों को डालें। अब इसमें कटे हुए पनीर और गोभी के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे धीमी आंच पर पकाएं ताकि सभी सामग्री अच्छे से मिल जाएं।

सेहत के लिए बेहद कारगर, रोज सुबह खाली पेट पिएं टमाटर जूस, मिलेंगे कई फायदे

टमाटर का जूस सेहत के लिए बहुत ही कारगर होता है। रोजाना सुबह खाली पेट टमाटर का जूस पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। टमाटर में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जैसे विटामिन सी, विटामिन ए, पोटेशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट, जो शरीर को डिटॉक्स करने और एनर्जी देने में मदद करते हैं। तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आप अपनी रूटीन में रोजाना के लिए टमाटर का जूस एड कर लेंगे तो जानते इसे पीने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं।

वजन घटाने में सहायक : अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो टमाटर का जूस बहुत फायदेमंद है। यह कम कैलोरी वाला होता है और मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे फैट बर्न करने में मदद मिलती है। इससे तेजी से आपका वजन भी कम होता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद : टमाटर का जूस त्वचा को हाइड्रेट रखता है और कील-मुंहासों को दूर करता है। साथ ही, इसमें मौजूद बायोटिन और विटामिन K बालों को मजबूत और घना बनाने में मदद करते हैं।

पाचन को दुरुस्त करता है

टमाटर का जूस फाइबर से भरपूर होता है, जिससे पाचन तंत्र सही तरीके से काम करता है। यह कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या को दूर करने में मदद करता है।

शरीर को डिटॉक्स करता है

टमाटर का जूस शरीर से विषाक्त पदार्थों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालने में मदद करता है और लिवर को हेल्दी रखता है। इससे त्वचा भी साफ और चमकदार बनती है।

दिल को रखता है स्वस्थ

इसमें पोटेशियम और लाइकोपीन नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और हृदय रोगों के खतरे को कम करते हैं।

इम्यूनिटी को मजबूत करता है : टमाटर में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को बढ़ाते हैं और सर्दी-खांसी जैसी बीमारियों से बचाते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

मर्लिन का अंतिम घर, एंट्री पर लिखा- यात्रा का अंत

हॉलीवुड की गुजरे जमाने की हसीन एक्ट्रेस रहीं मर्लिन मुनरो की महज 36 वर्ष की उम्र में हुई असमय मृत्यु लंबे समय से रहस्य और चर्चा का विषय बनी हुई है।

उनकी मौत को लेकर कई तरह की कहानियां और अटकलें दशकों से चर्चा में रही हैं। मुनरो अपने अंतिम घर में केवल छह महीने रहीं, लेकिन जिस घर में उनकी मृत्यु हुई, वह अब फैन्स के लिए एक अट्रैक्शन जैसा बन गया है। यह स्थिति वैसी ही है जैसी लॉस एंजिलिस स्थित उनके मॉन्यूमेंट वेस्टवुड विलेज मेमोरियल पार्क की है। इस आकर्षण घर का व्यावहारिक असर भी देखने को मिला है। इस वर्ष घर के मौजूदा मालिकों ने 'सिटी ऑफ लॉस एंजिलिस'के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनका आरोप है कि 2024 में इस संपत्ति को हिस्टोरिकल कल्चरल मॉन्यूमेंट (ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मारक) घोषित किए जाने से वे मकान को गिराकर वहां इसे रीडेवलप नहीं कर पा रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि संपत्ति के मालिकों को पहले से जानकारी थी कि यह घर टूरिज्म के अट्रैक्शन का केंद्र है और भविष्य में इसे हेरिटेज साइट का दर्जा मिल सकता है। प्रशासन का मानना है कि, मुनरो की पहचान हमेशा इस घर से जुड़ी रहेगी। लेखक ने अपने हालिया रिसर्ट में यह समझने की कोशिश की है कि 'फिफ्थ हेलेना' नामक यह घर मुनरो के लिए उनके जीवनकाल में क्या मायने रखता था।

टॉलीवुड

'सच बताने की हिम्मत नहीं है' जन नायकन की रिलीज डेट टलने पर डायरेक्टर का बयान

एक्टर से राजनेता बने विजय की आने वाली फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज डेट अभी तक सामने नहीं आई है। इस बीच फिल्म के निर्देशक एच

विनोद ने बड़ा बयान दिया है। तमिल सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन पिछले पांच महीनों से सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) में अटकी हुई है। अब फिल्म की रिलीज को लेकर निर्देशक एच विनोद ने प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में फिल्म परिमला एंड को के प्रमोशनल इंटरव्यू के दौरान विनोद से इस फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल पूछा गया। एसएस म्यूजिक पर हुए इंटरव्यू में विनोद के साथ पांडिराज, पा रंजीत, सैंडी मास्टर और संतोष भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान एंकर ने उनसे पूछा, 'तमिलनाडु के लोग यह सवाल पहले ही पूछ चुके हैं, अब मैं भी पूछ रहा हूं- 'जन नायकन कब रिलीज होगी?' इस सवाल पर जहां एक तरफ दर्शक एक्साइटेड हो गए, वहीं विनोद ने थोड़ा रहस्यमय जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे हाथ में नहीं है। सच बताने की हिम्मत भी मेरे पास नहीं है।' डायरेक्टर विनोद ने फिल्म के रिलीज को लेकर ये बयान दिया। इससे पहले जब बॉबी देओल ने कहा था- 'यह फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी मुझे अब तक मिली नहीं है। हो सकता है कि यह अगले महीने विजय के जन्मदिन पर रिलीज हो जाए।'एच विनोद की फिल्म जन नायकन में विजय के साथ ममिता बैजू, बॉबी देओल और पूजा हेगड़े नजर आने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है।

भोजपुरी

भोजपुरी एक्ट्रेस मिताली सड़क पर भीख मांगने को हुई मजबूर

भोजपुरी फिल्मों और मॉडलिंग में काम कर चुकीं पूर्व भोजपुरी एक्ट्रेस मिताली शर्मा को शुरू में एक होनहार चेहरा माना जाता था, और

उनकी शुरुआती फिल्में ने कथित तौर पर उन्हें पहचान दिलाई, जिससे वह फिल्म निर्माताओं के बीच एक जाना-पहचाना नाम बन गईं। हालांकि, समय बीतने के साथ-साथ, फिल्मों के ऑफर्स में काफी कमी आई और कम प्रोजेक्ट मिलने के कारण, मुंबई की इंडस्ट्री में जीवित रहने की कोशिश करते हुए, उन्हें कथित तौर पर गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली मिताली शर्मा एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर मुंबई आई थीं, लेकिन खबरों के अनुसार, शहर में आने के बाद वह अपने परिवार से दूर हो गईं, जिससे उन्हें भावनात्मक और आर्थिक सहायता बहुत कम मिली। स्थिर आय का अभाव, मजबूत सपोर्ट का अभाव और इंडस्ट्री से लगातार रिजेक्शन के कारण, उनकी स्थिति कथित तौर पर बदतर हो गई, और समय के साथ, अलगाव और अनिश्चितता से जूझने के कारण उनका मानसिक स्वास्थ्य भी बिगड़ने लगा। उनके जीवन में सबसे चौंकाने वाली घटना तब घटी जब खबरों में दावा किया गया कि मिताली शर्मा मुंबई के लोखंडवाला इलाके की सड़कों पर दयनीय हालत में पाई गईं, जहां उन्हें कथित तौर पर भीख मांगते हुए देखा गया, जिससे लोग उनके शुरुआती फिल्मी करियर की तुलना में उनकी इस हालत को देखकर स्तब्ध रह गए। खबरों के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें सड़क पर पाया और हिरासत में ले लिया। इस घटना के दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि उन्हें सड़क पर हुई किसी गड़बड़ी के सिलसिले में पकड़ा गया था, और जब एक महिला पुलिस अधिकारी ने उसे हथकड़ी पहनाने की कोशिश की, तो उसने कथित तौर पर आक्रामक प्रतिक्रिया दी और भागने की कोशिश की। पुलिस स्टेशन ले जाए जाने के बाद, खबरों के मुताबिक मिताली शर्मा ने सबसे पहले अधिकारियों से खाना मांगा।

लाइफ स्टाइल

एमी ने बिखेरी नॉर्थईस्ट की छटा

एमी बरुआ ने विगत दिनों कान फिल्म समारोह में भारत की शान पूर्वोत्तर का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने नॉर्थईस्ट की पारंपरिक पोशाक और ज्वैलरी में शिरकत की। साथ ही असम के पारंपरिक 'कार्बी' परिधान को चुना। इसके जरिए उन्होंने वहां की मूल विरासत, हाथ से बुनी कारीगरी और कार्बी आंगलोंग के कारीगरों के प्रति सम्मान जताया।

फाउंडेशन लगाते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करते गलतियां, इन बातों का रखें ध्यान

बेदाग और डल चेहरे से हर कोई परेशान रहता है। इससे बचने और खूबसूरत त्वचा पाने के लिए लोग कई चीजों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में खासकर लड़कियां अपने चेहरे को चमकदार बनाने के लिए कई मेकअप प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती है।

फाउंडेशन का इस्तेमाल : अगर मेकअप प्रोडक्ट का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जाए, तो चेहरे पर समस्या हो सकती है। अगर आप भी अपने चेहरे पर फाउंडेशन का इस्तेमाल करती है, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको बताएंगे फाउंडेशन लगाते वक्त किन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है. आइए जानते हैं उन बातों के बारे में।

इन बातों का रखे ध्यान : फाउंडेशन लगाते वक्त सबसे ज्यादा जरूरी होता है, सही शेड का चुनाव करना अगर आप गलत शेड का इस्तेमाल करती हैं, तो आपका चेहरा और ज्यादा डल दिखने लगेगा। इसलिए अपनी त्वचा के रंग के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करें। इसके लिए आप लाइट में अपनी जॉलाइन पर अलग अलग शेड्स लगाकर टेस्ट करें।

मेकअप करने से पहले चेहरे पर लगाएं ये : जब भी आप अपने चेहरे पर फाउंडेशन का इस्तेमाल करें, तो मेकअप करने से पहले चेहरे पर मॉइश्चराइजर और प्राइमर का इस्तेमाल जरूर करें, नहीं तो इससे त्वचा संबंधित समस्या हो सकती है। इसके अलावा जब भी आप फाउंडेशन को चेहरे पर लगाएं, तो स्पंज, ब्रश या ब्यूटी ब्लेंडर का चुनाव आपकी त्वचा के प्रकार और फाउंडेशन के हिसाब से करें।

गर्दन और कानों तक भी लगाएं फाउंडेशन

फाउंडेशन को हमेशा छोटे-छोटे डॉट्स में लगाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। गर्दन और कानों तक भी फाउंडेशन लगाना न भूलें और ध्यान रहे हमेशा फाउंडेशन का इस्तेमाल कम मात्रा में ही करें, ज्यादा मात्रा में करने से त्वचा डल दिखने लगती हैं।

सेटिंग पाउडर का भी करें इस्तेमाल

फाउंडेशन को सेटिंग पाउडर से सेट करना ना भूलें इससे यह टिकाऊ बनेगा और ऑयल-फ्री रहेगा। आप इन सभी टिप्स को फॉलो करने के बाद ही अपने चेहरे पर फाउंडेशन का इस्तेमाल करें, नहीं तो इससे आपका चेहरा और ज्यादा डल दिखने लगेगा।

गर्मियों के लिए आदर्श विकल्प है फूलों के प्रिंट वाली शर्ट, इन तरीकों से करें स्टाइल

फैशन

फूलों के प्रिंट वाली शर्ट गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि आपको आकर्षक भी दिखाती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स बताएंगे, जिनसे आप अपनी फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को अलग-अलग अंदाज में पहनकर हर मौके पर खास दिख सकती हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी अलमारी को नया रूप दे सकती हैं और हर दिन नए अंदाज का आनंद ले सकती हैं।

जींस के साथ पहनें : फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को जींस के साथ पहनना एक शानदार तरीका है। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको साधारण और आकर्षक लुक भी देता है। आप हल्के रंग की जींस के साथ एक हल्की फूलों वाली शर्ट पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। इस तरह का पहनावा आप रोजमर्रा की जिंदगी में या दोस्तों के साथ बाहर जाने पर पहन सकती हैं।

स्कर्ट के साथ बनाएं खास : अगर आप किसी खास मौके पर जाना चाहती हैं तो अपनी फूलों के प्रिंट वाली शर्ट को स्कर्ट के साथ पहनें। यह मेल आपको एक अलग ही ग्लैमर देता है। आप लंबी या छोटी स्कर्ट, किसी भी प्रकार की चुन सकती हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि स्कर्ट का रंग शर्ट के फूलों से मेल खाता हो, ताकि आपका लुक एक जैसा लगे। इस तरह का पहनावा पार्टी या किसी विशेष अवसर पर बहुत अच्छा लगता है।

शॉर्ट्स के साथ मिलेगा नया लुक : गर्मियों में ठंडक पाने के लिए शॉर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। अगर आप इसे अपनी फूलों वाली शर्ट के साथ पहनती हैं तो आपका लुक और भी खास लगता है। आप डेनिम शॉर्ट्स या सूती शॉर्ट्स, किसी भी प्रकार को चुन सकती हैं, जो आपके लिए आरामदायक हों। इस तरह का पहनावा आप सुबह की सैर पर या दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाते समय पहन सकती हैं।

बेल्ट का करें इस्तेमाल : अगर आपकी फूलों वाली शर्ट थोड़ी ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाने से आपका लुक और भी खास लगेगा। बेल्ट आपकी कमर को उभारती है और आपको स्मार्ट दिखाती है। आप पतली या चौड़ी बेल्ट का उपयोग कर सकती हैं, जो आपके स्टाइल पर निर्भर करता है। इस तरह का पहनावा आप ऑफिस में या किसी खास मौके पर पहन सकती हैं। यह तरीका न केवल स्टाइलिश दिखता है, बल्कि आरामदायक भी होता है।

क्या आप भी कराती हैं बार- बार हेयर स्पा, तो जान लीजिए इसके नुकसान

हेयर स्पा एक ऐसा ट्रीटमेंट है, जिससे बालों में नई चमक सी आ जाती है। इसको कराने से बालों से सम्बंधित कई परेशानियां भी दूर रहती है। यही वजह है कि महिलाएं एक महीने में दो से तीन बार हेयर स्पा कराना पसंद करती हैं। हेयर स्पा में शैंपू, हेयर क्रीम, हेयर मास्क और कंडीशनर वगैरह लगाकर बालों की डीप मॉइश्चराइजिंग की जाती है, साथ ही स्टीम भी दी जाती है। इसकी वजह से बाल काफी ज्यादा चमक जाते हैं।

वैसे तो इससे बालों को काफी लाभ मिलते हैं, लेकिन यदि हेयर स्पा को बार-बार कराया जाए तो इससे बालों को काफी नुकसान पहुंचता है। यहां हम आपको इन्हीं नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी हेयर स्पा करने से पहले एक बार सोच लें।

बढ़ेगी हेयर फॉल की समस्या

यदि आप नियमित रूप से हेयर स्पा लेंगी तो हेयर फॉल की समस्या बढ़ सकती है। ये परेशानी ज्यादातर उन लोगों में होती है, जिसकी स्कैल्प संवेदनशील होती है। सेंसिटिव स्कैल्प वाले लोगों को हर हेयर केयर प्रोडक्ट सूट नहीं करता है। इसलिए यदि वो हेयर स्पा करा भी रही हैं तो प्रोडक्ट को एक बारी चेक कर लें, ताकि आपको किसी तरह का कोई खतरा न रहे।

स्कैल्प को पहुंचाएगा नुकसान

कई बार हेयर स्पा करने में ऐसे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल होता है, जिनमें भारी मात्रा में केमिकल पाए जाते हैं। ऐसे में यदि आपको इन केमिकल्स से एलर्जी हो, तो हेयर स्पा करने से बचें। केमिकल वाले प्रोडक्ट स्कैल्प या बालों को और भी नुकसान पहुँचाने का कारण बन सकता है।

तेज धूप के कारण आपकी त्वचा भी हो रही है बेजान, तो घर पर एलोवेरा से बनाएं फेस मास्क

सबसे तेज गर्म कहलाने वाला जून का महीना चल रहा है और तेज धूप की वजह से लोगों का हाल बेहाल है। इस धूप का असर न सिर्फ लोगों के स्वास्थ्य बल्कि उनकी त्वचा पर भी देखने को मिल रहा है। तेज धूप के कारण लोगों की त्वचा अभी से बेजान रहने लगी है। सनबर्न और टैनिंग ने अभी से लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। ऐसे में चेहरे का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

एलोवेरा और शहद : इन दोनों चीजों से मास्क बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको बस एक कटोरी में इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करना है। इसे मिक्स करते समय ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा पतला न हो, वरना चेहरे पर लेयर नहीं बन पाएगी। मिश्रण तैयार होने के बाद चेहरे पर इसकी एक पतली लेयर

लगाएं। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को पानी से धो लें। इससे भी आपको राहत मिलेगी।

एलोवेरा और नींबू : नींबू वाले इस मास्क का इस्तेमाल तभी करें, जब ये आपको सूट करता हो। क्योंकि अक्सर नींबू की वजह से ही लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस मास्क को तैयार करने के लिए सबसे पहले एलोवेरा और नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को पानी से धो लें और कुछ ही दिन बाद इसका असर देखें।

एलोवेरा और खीरा : ये मास्क बनाना काफी आसान है, और इसकी वजह से चेहरे को काफी ठंडक मिलती है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले तो खीरे का पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट में थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिक्स करें। दोनों चीजों के मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के बाद चेहरा धो लें। इसका असर भी आपको जल्द ही दिखने लगेगा।

एलोवेरा और गुलाब जल : इन दोनों चीजों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो चेहरे को हाइड्रेट रखने का काम करते हैं। ऐसे में आप बिना सोचे इन दोनों चीजों को मिक्स करके एलोवेरा जेल और गुलाब जल का मिश्रण तैयार कर सकते हैं। इस मास्क को 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और फिर चेहरे को धो दें। इसका असर भी आपको दिखने लगेगा।

कार्नर न्यूज

आप न केवल पेशेवर दिखते हैं, बल्कि आपको आराम और आत्मविश्वास भी मिलता है

ऑफिस की मीटिंग में दिखना चाहते हैं स्मार्ट तो कुछ बातों पर करना होगा फोकस

ऑफिस की मीटिंग में अच्छा दिखना बहुत जरूरी है। यह न केवल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि आपकी पेशेवर छवि को भी मजबूत करता है। सही कपड़े पहनने से आप न केवल पेशेवर दिखते हैं, बल्कि आपको आराम और आत्मविश्वास भी मिलता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपनी ऑफिस मीटिंग के लिए सही कपड़े चुन सकते हैं और हमेशा बेहतरीन दिख सकते हैं।

फिटिंग पर ध्यान दें

कपड़ों की फिटिंग बहुत अहम होती है। ढीले या बहुत टाइट कपड़े पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को बिगाड़ सकते हैं। सही फिटिंग वाले कपड़े न केवल आपको आरामदायक महसूस कराते हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को भी निखारते हैं। अगर आपके पास सही फिटिंग वाले कपड़े नहीं हैं तो उन्हें सिलवाएं या नया बनवाएं। हमेशा ध्यान रखें कि कपड़े आपके शरीर के आकार के अनुसार होने चाहिए, ताकि आप पेशेवर और आत्मविश्वासी दिखें।

सही रंग चुनें

रंगों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे शांति और गंभीरता का संदेश दें। नीला, काला, ग्रे और सफेद जैसे रंग हमेशा सुरक्षित विकल्प होते हैं, क्योंकि ये गंभीरता और भरोसे का अहसास कराते हैं। इसके अलावा हल्के पेस्टल रंग भी अच्छे दिखते हैं और ताजगी का एहसास देते हैं। ध्यान रखें कि बहुत चमकीले या अजीब रंगों से बचें, क्योंकि ये कामकाजी माहौल में उपयुक्त नहीं माने जाते।

कपड़ों का चयन सोच-समझकर करें

ऑफिस की मीटिंग के लिए कपड़े चुनते समय हमेशा अपने कामकाजी माहौल को ध्यान में रखें। अगर आपका ऑफिस बहुत औपचारिक है तो सूट या औपचारिक शर्ट-पैंट का चयन करें। अगर ऑफिस थोड़ा कम औपचारिक है तो कुर्ता-पैंट या ब्लाउज-स्कर्ट का विकल्प चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि कपड़े साफ-सुथरे और प्रेस किए हुए हों, ताकि आप पेशेवर दिखें और आत्मविश्वास से भरे रहें।

एक्सेसरीज भी पहनें

एक्सेसरीज आपकी पोशाक को पूरा करती हैं, इसलिए इन्हें सही तरीके से चुनना जरूरी है। बहुत ज्यादा गहने पहनने से बचें, क्योंकि ये आपके लुक को बनावटी बना सकते हैं। इसके बजाय साधारण गहने, जैसे सोने या चांदी की बालियां और एक पतली चेन पहनें। महिलाओं के लिए एक सरल घड़ी या ब्रेसलेट अच्छा विकल्प हो सकता है। पुरुषों के लिए एक अच्छी गुणवत्ता वाली घड़ी चुनें, जो आपके पेशेवर लुक को पूरा करे।

जूते और बैग भी हैं अहम

जूते और बैग भी आपके लुक का अहम हिस्सा होते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज न करें। औपचारिक जूते हमेशा अच्छे दिखते हैं, इसलिए उन्हें अपने अलमारी में शामिल करें। महिलाओं के लिए हील्स या फ्लैट्स, दोनों ही अच्छे विकल्प हो सकते हैं। बस ध्यान रखें कि वे आरामदायक हों, ताकि पूरे दिन उन्हें पहनने में कोई दिक्कत न हो।